हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 29 जून 2026

मेस्सी ने रचा इतिहास

- लगातार सात विश्व कप मैचों में मेसी के गोल
- तोड़ा जस्ट फॉन्टेन और जैरजिन्हो का रिकॉर्ड

न्यूयार्क। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने एक बार फिर फीफा विश्व कप के रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा दिया है। 2026 फीफा विश्व कप के ग्रुप जे के आखिरी मुकाबले में जॉर्डन के खिलाफ शानदार फ्री-किक पर गोल दागकर मेसी विश्व कप इतिहास में लगातार सात मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इस गोल से पहले मेसी लगातार छह विश्व कप मैचों में गोल करने के मामले में फ्रांस के दिग्गज जस्ट फॉन्टेन और ब्राजील के महान खिलाड़ी जैरजिन्हो की बराबरी पर थे। लेकिन जॉर्डन के खिलाफ गोल करते ही उन्होंने दोनों को पीछे छोड़ते हुए नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

ऐतिहासिक गोल

मेसी की यह ऐतिहासिक गोल करने की लय 2022 फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ 16 से शुरू हुई थी। 2026 विश्व कप तक लगातार जारी है। फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उनकी यह निरंतरता और शानदार प्रदर्शन उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

निवेशकों की नहीं रही 'चांदी', गोल्डन चांस भी कम

गिरावट से उठा सराफा बाजार, शादियों की खरीदारी से 50 फीसदी कारोबार पटरी पर लौटा

सोने और चांदी के दाम में लगातार गिरावट ने निवेशकों को निराश कर रखा है। खासकर, चांदी में भारी भरकम निवेश करने वालों को झटका लगा है। अलबत्ता सराफा की रौनक धीरे धीरे लौट रही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पखवाड़े भर पहले सराफा की हालत बहुत ज्यादा खराब थी। करीब 80 फीसदी कारोबार चौपट हो गया था। लेकिन दाम कम होने के कारण अब 50 फीसदी तक कारोबार हो रहा है।

सोने और चांदी के दाम में इस सप्ताह अच्छी गिरावट आई है। जो सोना इस सप्ताह सोमवार को 151500 रुपए था, वह शनिवार को बाजार बंद होने पर 147000 रुपए रहा। यानी एक सप्ताह में 45 सौ रुपए दाम ▶▶| शेष पेज 6 पर

निवेशकों ने खड़े किए हाथ

सराफा कारोबारियों के मुताबिक दाम कम होने कारण आम खरीदारी हो रही है, लेकिन बड़े निवेशक अब भी बाजार से दूर हैं। सोने-चांदी के दाम को देखते हुए अब कोई भी इसमें निवेश नहीं करना चाहता है। बड़े निवेशकों ने भी निवेश लगभग बंद कर दिया है। प्रदेश में सामान्य समय में रोज जो 50 करोड़ का कारोबार होता है, उसमें से 30 करोड़ तो निवेशकों के ही होते हैं। लेकिन निवेशक अब निवेश बहुत सोच समझकर कर रहे हैं।

चांदी के दाम बढ़े नहीं, घटे

चांदी के आयात पर 16 मई से प्रतिबंध लगा है। इसके एक दिन पहले चांदी के दाम 287600 रुपए थे। चांदी कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि चांदी का आयात बंद होने से निवेशकों की चांदी बाहर आएगी तो दाम बढ़ेंगे। लेकिन दाम बढ़ने के स्थान पर कम हो गए हैं। इस समय चांदी के दाम 230600 रुपए हैं। यानी चांदी के दाम आयात पर प्रतिबंध लगने के बाद 57 हजार रुपए कम हुए हैं।

शादियों की हो रही खरीदारी

सोने और चांदी के दाम कम होने कारण इस समय शादियों की खरीदारी हो रही है। इसके कारण बाजार में थोड़ी रौनक लौटी है। लेकिन कारोबार अभी 50 फीसदी ही हो रहा है।

हरख मालू, सराफा कारोबारी

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹105540/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹128900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹140706/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

वांगचुक ने जंतर-मंतर पर शुरू की भूख हड़ताल

नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की, जहां 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) 20 जून से विरोध प्रदर्शन कर परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। वांगचुक के अनशन शुरू करने पर जंतर-मंतर पर ज्यादातर युवाओं और छात्रों समेत सैकड़ों प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए।

पीएम मोदी को सेशेल्स में 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' की मानद उपाधि

रक्षा और समुद्री सुरक्षा को मिली नई ताकत, यूपीआई-अंतरिक्ष पर डील

प्रधानमंत्री ने सेशेल्स की संसद को किया संबोधित, कहा- अवसरों का सागर बनेगा हिंद महासागर

सेशेल्स दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंद महासागर को 'अवसरों का महासागर' बनाने की बात कही। राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ वार्ता में दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर जोर दिया। भारत और सेशेल्स के बीच रक्षा, यूपीआई डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और शिक्षा समेत 19 अहम समझौते हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

एजेंसी ▶▶| विक्टोरिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच हुई वार्ता के बाद भारत और सेशेल्स ने रविवार को 19 महत्वपूर्ण समझौतों की घोषणा की, जिससे रक्षा और समुद्री सुरक्षा से लेकर डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि और शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार किया जाएगा। ये समझौते हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीपीय देश सेशेल्स के साथ सुरक्षा, संपर्क, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी के क्षेत्रों में भारत की बढ़ती ▶▶| शेष पेज 6 पर

समुद्री सुरक्षा को प्राथमिकता

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा और समुद्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भारत ने सेशेल्स को एक तेज गश्ती जहाज उपहार में दिया है। इसके साथ ही, सेशेल्स रक्षा बल को 10 उपयोगिता वाहन और पांच लेजर रेडियल क्लास नावें सौंपी गई हैं।

यूपीआई और अंतरिक्ष में साझा उड़ान

भारत की डिजिटल ताकत अब सेशेल्स में भी दिखेगी। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और सेंट्रल बैंक ऑफ सेशेल्स के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है।

सेहत का ख्याल

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दोनों देशों ने बड़े कदम उठाए हैं। सेशेल्स में नए राष्ट्रीय अस्पताल के निर्माण की शुरुआती तैयारियों के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके साथ ही, भारत की कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड और सेशेल्स के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच जन औषधि योजना को लेकर समझौता हुआ है।

पांच बड़ी बातें

- **साझा घर की सुरक्षा :** दोनों देशों ने माना कि हिंद महासागर हमारा साझा घर है।
- **महासागर विजन:** यह दृष्टिकोण भारत की 'महासागर' नीति का मुख्य हिस्सा है।
- **अटूट रक्षा संबंध:** रक्षा और सुरक्षा एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़ी हुई है।
- **आर्थिक मजबूती:** दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को और अधिक लचीला बनाया जाएगा।
- डिजिटल इंडिया की मदद

नातिन को बचाते डंसा सांप

सर्पदंश से नानी-नातिन की मौत, गांव में पसरा मातम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजपुर

ग्राम पंचायत कोटा गहना में उस समय हड़कंप मच गया जब देर रात जहरीले सांप ने नानी-नातिन को डस लिया। नानी की घर में ही जबकि बालिका की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि देर रात जब जहरीले सांप ने बालिका को डसा तो नानी उसे सांप से बचाने लगी तभी सांप से उसे भी कई जगह डस लिया था। एक ही परिवार के दो सदस्यों की एक साथ मौत हो जाने से गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार ग्राम घोरघड़ी ▶▶| शेष पेज 6 पर

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलने पर राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने ग्रामीणों से घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, जमीन पर सोने से बचने तथा सांप काटने की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय बिना देरी किए तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचने की बात कही है।

इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब आयु सीमा समाप्त

30 वर्ष से अधिक आयु वाले भी अब कर सकेंगे इंजीनियरिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश के इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में दाखिले के लिए इस बार आयु सीमा की बाध्यता नहीं रहेगी। अब तक 30 वर्ष तक ही छात्रों को इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले की पात्रता थी, लेकिन अब कोई भी आयु वर्ग का व्यक्ति इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेगा। तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा काउंसिलिंग शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही नए नियम भी उनके द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। काउंसिलिंग प्रक्रिया 30 जून से प्रारंभ होगी।

बीते कई सत्रों से इंजीनियरिंग सीटें पूर्ण रूप से नहीं भर पा रही हैं। बीते सत्रों में ▶▶| शेष पेज 6पर

30 से काउंसिलिंग

ऐसा है शेड्यूल

- **प्रथम चरण :** प्रथम चरण के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 30 जून से 6 जुलाई तक होगा। मेरिट सूची 7 जुलाई को जारी की जाएगी। 8 जुलाई तक दावा-आपत्ति पेश कर सकेंगे। आवंटित सीटों की सूची 10 जुलाई को जारी होगा। चयनित अभ्यर्थियों को 11 से 15 जुलाई के बीच संबंधित कॉलेज में प्रवेश लेना होगा।
- **द्वितीय चरण :** इसके लिए पंजीयन 17 से 21 जुलाई तक होंगे। 22 जुलाई को मेरिट सूची जारी की जाएगी। दावा आपत्ति के लिए सिर्फ 23 जुलाई तक का समय मिलेगा। दूसरे चरण की चयन सूची 25 जुलाई को जारी होगी। जिन छात्रों के नाम इस सूची में होंगे, उन्हें 30 जुलाई तक प्रवेश लेना होगा।
- **संस्थागत काउंसिलिंग :** दो चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी यदि सीटें रिक्त रह जाती हैं तो इन्हें संस्थास्तर पर काउंसिलिंग के माध्यम से भरा जाएगा। इसके लिए पृथक रूप से पंजीयन की आवश्यकता होगी। 1 से 6 अगस्त तक संस्था स्तर पर होने वाली काउंसिलिंग के लिए पंजीयन होंगे। मेरिट सूची 9 अगस्त को जारी होगी।

भारत माला सड़क पर हादसा

सैर पर निकले तीन ग्रामीणों को रौंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

भारत माला सड़क पर तेज रफ्तार वाहन ने तीन ग्रामीणों को रौंद दिया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों को टक्कर मारने के बाद वाहन समेत चालक फरार हो गया। घटना बलौदा थाना क्षेत्र के कोरबी की है। जानकारी के अनुसार डोंगरी और कोरबी के रहने वाले तीन ग्रामीण रविवार 28 जून की सुबह सैर के लिए निकले थे। सुबह करीब 6 बजे 62 वर्षीय दिलहरण दास वैष्णव, 52 वर्षीय केदार बरेठ और 70 ▶▶| शेष पेज 6 पर

अधूरा है का काम

दरअसल भारत माला परियोजना का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही कम है। जो वाहन इस मार्ग पर चलते हैं वो सड़क खाली होने के कारण तेज रफ्तार से दौड़ते हैं। यही वजह है कि इस मार्ग पर हादसे सामने आ रहे हैं। रविवार को हुआ हादसा भी तेज रफ्तार के कारण ही हुआ। तीनों ग्रामीण सड़क किनारे पैदल टहल ▶▶| शेष पेज 6 पर

श्री अनंत अंबानी ने तिरुमला में केश समर्पित किए सुप्रभात सेवा में लिया भाग

तिरुमला, 28 जून: रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक श्री अनंत अंबानी ने रविवार तड़के तिरुमला स्थित भगवान श्री वेंकटेश्वर के पवित्र धाम में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर अपनी गहरी आस्था और श्रद्धा का परिचय दिया।

श्री अनंत अंबानी रविवार प्रात: लगभग 1 बजे तिरुमला पहुंचे और भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्राचीन परंपरा के अनुसार अपने केश समर्पित किए। यह समर्पण श्रद्धा, विनम्रता और पूर्ण आत्मसमर्पण का प्रतीक माना जाता है, जिसका पालन प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु करते हैं।

उनकी यह यात्रा इस बात का प्रतीक रही कि समय और परिस्थितियाँ चाहे जितनी बदल जाएँ, आस्था और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव सदैव कायम रहता है।

प्रात: लगभग 3:30 बजे श्री अनंत अंबानी ने भगवान के जागरण के पावन अनुष्ठान सुप्रभात सेवा में भाग लिया। दर्शन के उपरांत मंदिर के वैदिक आचार्यों ने उन्हें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद प्रदान किया। वहीं, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी ने उन्हें मंदिर का पवित्र स्मृति-चिह्न एवं प्रसाद भेंट किया।

अपनी यात्रा के दौरान श्री अनंत अंबानी ने मंदिर की गोशाला का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने गौमाता एवं मंदिर के हाथियों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की तथा उनके साथ समय बिताया।

इसके पश्चात वे तिरुपति स्थित श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर पहुंचे और वहां दर्शन-पूजन कर अपनी आध्यात्मिक यात्रा का समापन किया। वे प्रात: लगभग 6:30 बजे तिरुपति से रवाना हुए।

श्री अनंत अंबानी की यह यात्रा भारत की आध्यात्मिक परंपराओं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। देश के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों में से एक तिरुमला में आयोजित प्रात:कालीन धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने उनकी इस आध्यात्मिक यात्रा का साक्षी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी एक बार फिर अपनी धार्मिक आस्था को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए और परंपरा के अनुसार अपना मुंडन (केश दान) कराया। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

भगवान के चरणों में केश दान

तिरुपति बालाजी मंदिर में हर साल लाखों श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन के बाद अपने बाल दान करते हैं। इसे केश दान की परंपरा कहा जाता है। अनंत अंबानी ने भी इसी परंपरा का पालन करते हुए मंदिर परिसर में अपना मुंडन कराया।

क्या है केश दान की मान्यता?

हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, केश दान अहंकार के त्याग और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने या भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए भी अपने बाल अर्पित करते हैं। माना जाता है कि भगवान के सामने सभी भक्त समान होते हैं और आस्था सबसे बड़ी होती है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तस्वीरें

अनंत अंबानी के मुंडन की तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग उनकी सादगी और धार्मिक आस्था की सराहना कर रहे हैं। कई यूजर्स ने इसे सनातन परंपरा और भगवान के प्रति समर्पण का प्रतीक बताया।

अंबानी परिवार की गहरी आस्था

अंबानी परिवार लंबे समय से देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर दर्शन करता रहा है। मुकेश अंबानी, नीता अंबानी, आकाश अंबानी, ईशा अंबानी और अनंत अंबानी कई बार अयोध्या राम मंदिर, तिरुपति बालाजी, द्वारकाधीश, बद्रीनाथ, केदारनाथ और अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में पूजा-अर्चना करते नजर आ चुके हैं।

क्यों खास है तिरुपति बालाजी?

आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध और सबसे अधिक दर्शन किए जाने वाले मंदिरों में से एक है। यहां हर दिन हजारों श्रद्धालु भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने पहुंचते हैं और बड़ी संख्या में भक्त केश दान की परंपरा निभाते हैं।

पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती से डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास मुलाकात

जीवन अध्यात्म की राह पर था, फिर खुद को समाज के लिए समर्पित कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

डॉ. बुधरी ताती बहुत चर्चित नाम नहीं हैं, लेकिन उनका काम अगर आप जानेंगे तो हैरत में पड़ जाएंगे। सुदूर बस्तर, जो अरसे तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा, उस खतरनाक दौर में भी डॉ. बुधरी ताती अपनी जान हथेली पर लेकर महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहीं। तकरीबन 35 साल उन्होंने इस क्षेत्र में लगा दिए। अभी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें एक भव्य समारोह में प्रतिष्ठित पद्मश्री से सम्मानित किया। सम्मान प्राप्ति के बाद वह छत्तीसगढ़ वापस लौटी, उनके साथ खास मुलाकात की हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी की। डॉ. बुधरी ताती का कहना है उन्होंने आध्यात्मिक जीवन से सामाजिक जीवन में आकर सामाजिक काम करना पसंद किया और महिलाओं को साक्षर करने के अलावा छोटे बच्चों के लिए भी काम किया।

- आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी, जब आपको पता चला कि इस साल सरकार ने आपको पद्मश्री के लिए चुना है?
- बहुत गौरव की बात है, सुदूर गांव में रहने वाली ऐसी हमारी जैसी बहनों के लिए। कभी नहीं सोचा थे जीवन में कि ऐसा भी कभी समय आएगा। मैं तो सबसे पहले शासन-प्रशासन, केंद्र सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद और बधाई देना चाहती हूं कि हम जैसे लोगों को चिन्हित किया और पद्मश्री से सम्मानित किया।
- जीवन कहां से शुरू होता है बुधरी दीदी का?
- अपने जीवन के बारे में मैं क्या बोलूं, मैं इरानार गांव की हूं। यहां मेरा जन्म हुआ है। जब मैं 8-9 साल की छोटी बच्ची थी, तब से मैं एक आध्यात्मिक जगह दिव्य जीवन संघ, गुमरगुंडा जो ऋषिकेश से ▶▶| शेष पेज 6 पर

सीएम साय बोले- जनता और नेतृत्व के बीच संवाद का सबसे बड़ा माध्यम मन की बात

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सुना। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के कहा, जनता और नेतृत्व के बीच संवाद का सबसे बड़ा माध्यम है मन की बात।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, मन की बात आज जनता और देश के नेतृत्व के बीच रू-ब-रू संवाद का सबसे बड़ा और सशक्त माध्यम बन चुका है। इसके जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचार और सकारात्मक कार्यों को जनता के सामने रखते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को समाज में कुछ नया और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। देश के सुदूर अंचलों में छिपी प्रतिभाओं और उनके द्वारा किए जा रहे लोक-कल्याणकारी कार्यों को वैश्विक मंच देकर प्रधानमंत्री ने देश में एक सकारात्मक क्रांति की शुरुआत की है। इस अवसर पर उनके साथ प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, कैबिनेट मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक गोमती साय, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज, श्रम आयोग अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, सीजीएमएससी अध्यक्ष दीपक म्हस्के, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, जिला अध्यक्ष रायपुर ग्रामीण श्याम नारंग सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम रायपुर पश्चिम विधानसभा के तात्यापारा मंडल के अंतर्गत बूथ क्रमांक 245 (गुरु घासीदास कॉम्प्लेक्स) में सुना। भाजपा द्वारा प्रत्येक बूथ पर आयोजित इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश अध्यक्ष आम जनता और कार्यकर्ताओं के बीच मौजूद रहे। इस अवसर पर उनके साथ कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी, विधायक राजेश मूणत, रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीराम गर्ग, भाजपा जिलाध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी सहित क्षेत्र के प्रमुख पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकतंत्र सेनानियों का त्याग नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्पद

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रविवार को राजधानी रायपुर स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष पर आधारित स्मारिका "आपातकाल के योद्धा" का विमोचन किया तथा आपातकाल पर आधारित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंद्रेश कुमार ने लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक जीवन मूल्य है, जिसे समझने और निभाने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है। उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा, यह समय भारतीय लोकतंत्र के लिए एक कठिन परीक्षा का काल था, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ा। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को स्मरण करते हुए कहा, उन लोगों ने जेल, यातनाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतांत्रिक आदर्शों को जीवित रखा। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे देश की एकता, अनुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करें तथा नशामुक्त और स्वच्छ समाज के निर्माण में योगदान दें।

इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करना प्रशंसनीय : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह कालखंड है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, त्याग और जेल जीवन की कठिनाइयों को याद करते हुए कहा, इन लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने कहा, ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सचेत करना है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की धरती हमेशा से संघर्ष, संस्कृति और परंपरा की भूमि रही है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रही है।

आपातकाल लोकतंत्र के लिए चुनौती : रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती था। उन्होंने प्रेस सेंसरशिप, मौलिक अधिकारों के निलंबन और संविधान संशोधनों का उल्लेख करते हुए कहा, यह समय लोकतंत्र की मजबूती और जागरूकता का प्रतीक बनकर सामने आया। आपातकाल हमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव सजग रहने की प्रेरणा देता है।

निबंध प्रतियोगिताः जागृति और कल्याणी रहीं प्रथम

कार्यक्रम के दौरान आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 540 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय स्तर पर 'आपातकाल कभी विस्मृत न हो' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में जेआर दानी गर्ल्स स्कूल रायपुर की जागृति जांगड़े प्रथम, विवेकानंद विद्यापीठ कोरबा के सूरज तांडिया द्वितीय तथा अग्रसेन इंटरनेशनल स्कूल दुर्ग के अंश देशमुख तृतीय स्थान पर रहे। वहीं महाविद्यालय स्तर पर '25 जून : संविधान हत्या दिवस' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में रायपुर की कल्याणी पटले प्रथम, रायगढ़ की सीमा साव द्वितीय तथा दुर्ग की खुशबू तृतीय स्थान पर रहीं।

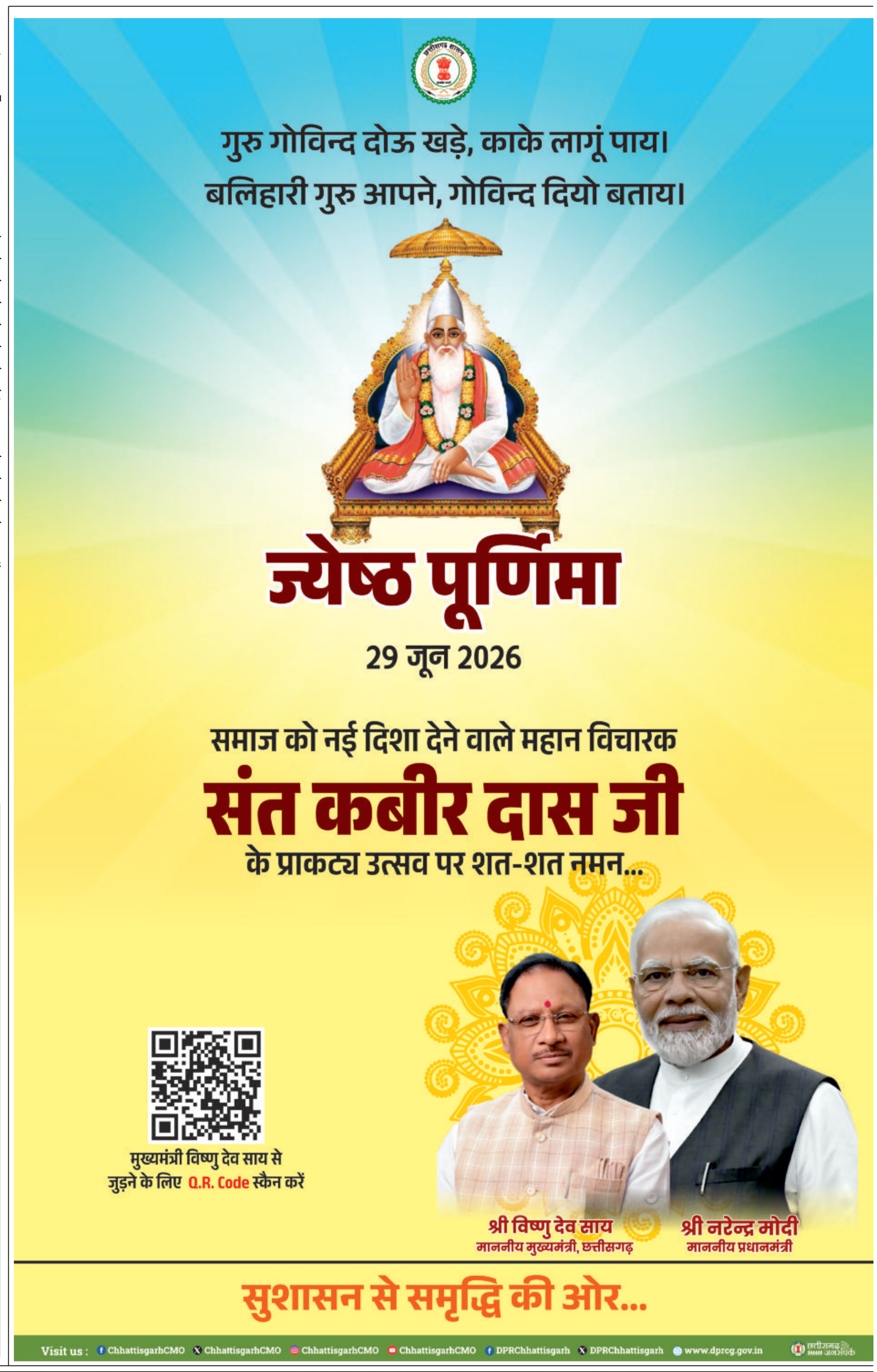

बिलासपुर
सोमवार 29 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा
वर्ष : 26, अंक : 99
पृष्ठ : 10+6= 16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 31.5
न्यून. 24.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 घाना को मात देकर नॉकआउट में क्रोएशिया

विचार पेज
2 लोकतंत्र का एंकाउंटर हो रहा है

राज्य अतिथि का सम्मान प्राप्त आचार्य सुधांशु जी महाराज ने साक्षात्कार में बेबाकी से दिए जवाब

राममंदिर केस पर सुधांशु महाराज ने कहा-चढ़ावा और चंदा चोरी करने वालों को मिलनी चाहिए सजा

देश, समाज में बढ़ते अपराध के पीछे की वजह सोशल मीडिया में दिखाई जा रही हिंसा

लवकुश शुक्ला ▶▶| रायपुर

खास खबर

राममंदिर चढ़ावा चोरी केस पर आचार्य सुधांशु जी महाराज का कहना है, अयोध्या के राम मंदिर से लोगों की आस्था और समपर्ण जुड़ा है। चढ़ावा और चंदा की राशि की चोरी धर्म प्रेमियों के लिए बड़ी चोट है। ऐसा घृणित कृत्य करने वालों को सजा मिलनी चाहिए। इसके लिए संविधान में प्रावधान है। कानून उन्हें सजा देगा।

हरिभूमि से खास मुलाकात में कई मुद्दों पर आचार्य से हुई बात

धर्म के प्रति अडिग रहने की जरूरत

आचार्य ने एक सवाल के जवाब में कहा कि चर्च के साथ कॉन्वेंट स्कूल, मस्जिदों के साथ मदरसा संचालित किए जा रहे हैं । राम-कृष्ण और श्रवण कुमार की धरा पर माता-पिता और संत-महंतों के घृणित कार्य आहत करते हैं। लेकिन इससे डर और भय से बचते हुए धर्म के प्रति अडिग रहने की जरूरत है।

चढ़ावा और चंदा चोरी के मामले में ब्राह्मण ही नहीं दूसरे जाति के लोग भी शामिल है। बुराई के लिए कोई जाति विशेष नहीं होती, जब भी कही इस तरह के हालात बनते हैं, वहां नैतिकता और लालच के प्रभाव से इस तरह की स्थितियां निर्मित होती है। इससे धर्म प्रेमी आहत हैं, लेकिन आस्था अडिग है।

उन्होंने समाज में बढ़ती हिंसा पर कहा कि देश, समाज और परिवार में बढ़ते अपराध के पीछे बड़ी वजह सोशल मीडिया पर दिखाए जाने वाले हिंसा के दृष्य प्रमुख कारण है। इसके लिए संस्कारों के अभाव में बढ़ता नशे का सेवन भी बड़ा कारण है।

हरिभूमि से साक्षात्कार में बेबाकी से सवालों का जवाब देते हुए आचार्य सुधांशु जी महाराज ने कहा कि अब संस्कार केन्द्रों से बच्चों और युवाओं को जोड़ने की जरूरत है। विश्व जागृति मिशन के संस्थापक एवं आचार्य सुधांशु जी महाराज शनिवार और रविवार को ▶▶|शेष पेज 6 पर

लोगों की नजर में गिरना बड़ी सजा

कतिपय संतों के अशोभनीय आचरण से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए महाराज ने कहा कि कुछ लोग धर्म का चोला पहनकर अनैतिक कार्य में संलिप्त होते हैं, चंपत राय जैसे स्वच्छ छवि वाले व्यक्ति की छवि भी धूमिल हुई हैं। दो चार संत और महंत अगर गलत निकल जाते हैं, तो इससे सबसे बड़ा नुकसान संतो को भुगतना पड़ता है। कई बार संत सही होते हुए भी साजिश का शिकार हो जाते हैं। जिन लोगों ने ऐसे संतो को सम्मान दिया, उनकी नजर में गिरना उनके लिए बड़ी सजा है। भारत जिस प्रकार प्रगति कर रहा है। वह एक अच्छा संकेत हैं, आने वाले समय में निश्चित रूप से हम विश्व गुरु बनेंगे।

एक्शन में सरकार, एक साथ आठों आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी

चढ़ावा चोरी के 'सबूत' तलाशने घरों तक पड़ताल, बैंक खाते-दस्तावेजों को टटोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

खास खबर

पुलिस की टीम सभी आठ आरोपियों के आवासों पर रविवार को एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई मामले की जांच के सिलसिले में की गई। स्थानीय मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस दलों ने लव कुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला और रामाशंकर यादव समेत सभी आरोपियों के घरों की तलाशी ली। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी मनीष यादव के घर से आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज बरामद किए। इसके लिए पुलिस ने उसके परिजनों से बंद मकान खुलवाया। अन्य आरोपियों के घरों की भी तलाशी ली गई, जहां परिजनों से पूछताछ की गई और दस्तावेजों की जांच की गई। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने कुछ आरोपियों की संपत्ति, उनके पिछले रिकॉर्ड और गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए उनके पड़ोसियों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की। अयोध्या ▶▶|शेष पेज 6 पर

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर पुलिस ने अब ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। चोरी के मामले में 80 लाख रुपए से ज्यादा की बरामदगी और रुपयों की गिनती से जुड़े आठ लोगों की गिरफ्तारी के बाद इनके घरों पर छापेमारी की गई है। सभी आरोपियों के खिलाफ तगड़ा एक्शन लेने के लिए पुलिस की टीमें साक्ष्य जुटाने की कोशिश में जुटी हैं।

- चंपत के करीबी के घर पर भी दी गई दबिश, हुई पड़ताल
- 80 लाख रुपए मिलने के बाद ताबड़तोड़ छापेमारी
- कई लोगों के घर खुलवाने में पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

इधर, महासचिव के लिए नृपेंद्र मिश्रा समेत 3 नामों पर मंथन

सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव पद पर संघ का दबदबा बना रहेगा। इस पद पर संघ का ही कोई पदाधिकारी बैठेगा। इस पदाधिकारी का संतों के बीच लोकप्रिय, मिलनसार के साथ ईमानदार रिकॉर्ड का खोजा जा रहा है। इस पद के लिए भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा का भी नाम चल रहा है। इस पद के लिए ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि और ट्रस्टी कृष्णमोहन के नाम की भी चर्चा है। स्वामी गोविंददेव के लिए कोषाध्यक्ष का पद पहले से ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, नृपेंद्र मिश्रा के नाम पर सहमति ट्रस्ट के सदस्यों के बीच नहीं बन पा रही है। ऐसे में संघ यहां पर हस्तक्षेप कर सकता है।

आठों आरोपी भेजे गए जेल

यह बड़ी कार्रवाई उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई तीन सदस्यों की एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद शुरू हुई है। कोर्ट ने दो दिन पहले ही सभी आठ आरोपियों को 29 जून तक के लिए जेल भेजा था। पुलिस सोमवार को इन सभी आरोपियों को दोबारा कोर्ट में पेश करेगी। मामले की कड़ियों को जोड़ने और आगे की पूछताछ के लिए पुलिस अदालत से इन सभी की कस्टडी रिमांड मांगेगी, ताकि बाकी की रकम और संपत्ति का भी पता लगाया जा सके।

परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ

कार्रवाई के दौरान स्थानीय मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस आरोपियों के परिजनों से पूछताछ की, साथ ही आसपास रहने वाले लोगों से भी इन आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों की गतिविधियां पिछले कुछ समय में कैसी थीं और क्या मामले से जुड़ा कोई अहम सुराग मिल सकता है।

2 देश, 2 हादसे और 25 की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रविवार को फ्रांस और सऊदी अरब में दो बड़े विमान हादसे हुए। इसमें करीब 25 लोगों की मौत हो गई है। सुबह नैन्सी के पास फ्रांस के शहर टॉम्ब्लेन में स्काईडाइवर्स को ले जा रहा एक सिविलियन एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया, जिसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि रविवार को सऊदी अरब के रास तनुरा में एक हेलीकॉप्टर क्रैश होने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। नैन्सी के पास फ्रांस के शहर टॉम्ब्लेन में स्काईडाइवर्स के पास एयरक्राफ्ट लोकल टाइम के हिसाब से सुबह करीब 11 बजे क्रैश हुआ, जिसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पायलट और 10 पैसेंजर शामिल थे इनमें पांच स्टूडेंट स्काईडाइवर्स और पांच इंस्ट्रक्टर थे। अधिकारियों ने रिस्पॉन्स ऑपरेशन शुरू किया और इमरजेंसी सर्विस क्रैश साइट पर पहुंच गईं। क्रैश के समय एयरक्राफ्ट में स्काईडाइवर्स का एक ग्रुप था।

फ्रांस-सऊदी अरब में प्लेन क्रैश

फ्रांस में पांच छात्रों समेत 11 की गई जान

उत्तर-पूर्वी फ्रांस में रविवार को 'स्काइडाइविंग' में इस्तेमाल होने वाला एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमें सवार सभी 11 लोगों की मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंच गईं, लेकिन किसी को बचाया नहीं जा सका। हादसे में विमान के पायलट समेत सभी 10 यात्री मारे गए। मृतकों में पांच छात्र और पांच इंस्ट्रक्टर शामिल थे।

सऊदी अरब में हेलीकॉप्टर क्रैश

सऊदी अरब के रास तनुरा शहर में सऊदी अरामको का एक हेलीकॉप्टर क्रैश होने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। क्रैश में मारे गए सभी लोग सऊदी नागरिक थे। रास तनुरा में हेलीकॉप्टर क्रैश का कारण अभी पता नहीं चला है, और जांच चल रही है। एक बयान में, सऊदी अरब के एनर्जी मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अधिकारियों द्वारा क्रैश के पीछे के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

खबर संक्षेप

चंबा में कार नदी में गिरने से चार की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में नकरोड़-हिमगिरी मार्ग पर एक कार बैरा सिउल नदी में गिर गई, जिससे उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना नदी पर बने एक बांध के पास हुई। चुराह उपमंडल में शनिवार देर रात हुए इस हादसे में कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना की जानकारी सुबह मिली, जिसके बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंचीं।

3.7 टन से अधिक जब्त मादक पदार्थ नष्ट

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में एक निस्तारण केंद्र पर पुलिस द्वारा उधमपुर में जब्त की गई 1.318 किलोग्राम हेरोइन सहित 3.7 टन से अधिक मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अगुवाई में मादक पदार्थों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।

खड़े ट्रक से टकराने से कार सवार दंपति की मौत

मिर्जापुर। मिर्जापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-135 पर खड़े एक ट्रक से कार के टकरा जाने के कारण दंपति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब दो बजे ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र की है, जब मध्यप्रदेश में पंजीकृत एक कार राजमार्ग पर खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई।

रीक्रिएट हुआ क्राइम सीन

केतन का बनाया पुतला फिर चेतन ने दिया धक्का

एजेंसी ▶▶| पुणे

महाराष्ट्र के चर्चित केतन अग्रवाल मर्डर केस में रविवार को पुणे ग्रामीण पुलिस ने लोहागढ़ किले पर अपराध के सीन को रीक्रिएट किया। पुलिस केतन का पुतला लेकर पहुंची। इस दौरान सिया गोयल का सामना केतन को क्यों मारा? सवाल से हुआ। पुलिस सिया गोयल को अब सोमवार को कोर्ट में पेश करेगी। सिया गोयल की रिमांड 29 जून को पूरी हो रही है। कोर्ट ने कुल सात दिन की रिमांड दी थी। पुलिस ने दावा किया है कि सिया जांच में सहयोग कर रही है। अपराध सीन को री-क्रिएट किए जाने पर पर पूरे वाकए की जानकारी दी। सिया ने बताया कि कैसे चेतन ने केतन को धक्का दिया और वह खाई में गिर गया। पुलिस के अनुसार, इस प्रक्रिया का उद्देश्य 18 जून के सटीक घटनाक्रम का पता लगाना है। आरोप है कि 20 वर्षीय सिया और उसके 'प्रेमी' चेतन चौधरी (22) ने अग्रवाल को किले से धक्का देकर उनकी हत्या कर दी थी।

- 10 दिन बाद लोहागढ़ किले पर पहुंची सिया

ऐसा नाटक और चल बसा केतन

सिया के मुताबिक, तय प्लान के तहत सिया को लोहगढ़ किले की ऊंचाई पर जाकर अपने जूतों के फीते (लेस) बांधने का नाटक करना था। जैसे ही सिया फीते बांधने के बहाने झुकी, पीछे से चेतन को आकर केतन पर हमला करना था। चेतन ने योजना के मुताबिक पीछे से आकर केतन को अचानक धक्का दे दिया, जिससे वह संतुलन खो बैठा और सीधे 400 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस दर्दनाक हादसे में केतन की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने सिया के इस कबूलनामे और रीक्रिएशन की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग की है, जिसे कोर्ट में पुख्ता सबूत के तौर पर पेश किया जाएगा। मामले की आगे की कार्रवाई जारी है।

शादी तोड़ने से बदनामी का था डर

सिया ने पुलिस को कथित तौर पर बताया कि वह अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी और उसे लगा कि शादी तोड़ने से परिवार की बदनामी होगी इसलिए उसने चौधरी के साथ मिलकर अग्रवाल की हत्या की साजिश रची। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रहे हैं। इनमें कथित अपराध की साजिश, घटना से पहले और बाद में आरोपियों की गतिविधियां, उनके डिजिटल रिकॉर्ड और हत्या का मकसद शामिल हैं।

22 राज्यों में पहुंचा मानसून

चार दिनों में छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में झमाझम

नई दिल्ली। अरुणाचल में बादल फटने के बाद अब भी बाढ़ दक्षिण-पश्चिम मानसून आगे बढ़ रहा है और अब तक देश के 22 राज्यों में पहुंच चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन-चार दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के उत्तरी अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्से और उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में प्रवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। मौसम विभाग ने बताया कि बिहार, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भीषण उमस और लू का प्रकोप अभी जारी रहने की संभावना है।

पूर्वोत्तर में जमकर बरसात

पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में जमकर बरसात हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि इस हफ्ते के दौरान पूर्वोत्तर भारत और उप हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा 28 जून को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।

बच्चियों की बुआ भी घायल

दीवार ढहने से दो सगी बहनों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

बेमेतरा जिले के ग्राम राउरपुर में कच्ची दीवार ढहने से रविवार को दो सगी बहनों की मौके पर ही मौत हो गई है। दीवार के पास बर्तन धो रही बुआ भी घायल हो गई है। घर के समीप बर्तन साफ कर रही दो सगी बहनें अचानक जर्जर कच्ची दीवार गिरने से मलबे में दब गईं। हादसे में वंशिक कोशले (12 वर्ष) और राधिका कोशले (10 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दोनों बच्चियां घर के पास बर्तन मांज रही थीं। इसी दौरान वर्षों पुरानी कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर पड़ी। हादसे की आवाज सुनकर ▶▶|शेष पेज 6 पर

बुआ प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रिफर

हादसे में बच्चियों की बुआ सशिकला खंडेलवाल भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी।

मानसून सत्र के पहले फेरबदल के लग रहे कयास

मोदी सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की मंत्रिपरिषद में जल्द फेरबदल होने की संभावना प्रतीत हो रही है। सत्तारूढ़ दल के शीर्ष स्तर से मिल रहे संकेतों के अनुसार, यह फेरबदल अब कभी भी- संभवतः संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले किया जा सकता है। इस संबंधी विचार-विमर्श की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी की नयी टीम की घोषणा के साथ ▶▶|शेष पेज 6 पर

चुनावी राज्यों के साथ बंगाल पर नजरें

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं इसलिए इन तीन राज्यों के और प्रतिनिधियों को मोदी मंत्रिपरिषद में जगह मिलने की संभावना है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की भारी जीत के बाद राज्य से भी पार्टी के कुछ सांसदों को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किया जा सकता है।

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद से ही अटकलें

प्रधानमंत्री मोदी की 23 जून को राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कार समारोह के इतर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज हो गईं। इसके दो दिन बाद 25 जून को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राष्ट्रपति से मुलाकात से इन अटकलों को और बल मिला।

दो मंत्रियों का पूरा हो रहा कार्यकाल

दो केंद्रीय मंत्रियों हरदीप पुरी और बी एल वर्मा का राज्यसभा में कार्यकाल नवंबर में समाप्त होगा। अब यह देखना होगा कि उच्च सदन के लिए उन्हें फिर से उम्मीदवार बनाए जाने के संबंध में शीर्ष नेतृत्व क्या फैसला करता है।

राज्यपाल बनाए जाने की भी चर्चा

तीन राज्यपालों-कर्नाटक के थावर चंद गहलोत, मध्य प्रदेश के मंगुभाई पटेल और उत्तराखंड के लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह-का कार्यकाल पूरा होने वाला है। सरकार से हटाए जाने वाले कुछ मंत्रियों को राज्यपाल पद की जिम्मेदारी दिए जाने की भी संभावना है।

डाटा चोरी को लेकर जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। व्हाट्सऐप वेब और डेस्कटॉप उपयोगकर्ताओं को मैलवेयर के जरिए बड़े पैमाने पर निशाना बनाया जा रहा है, जिससे लोगों के उपकरणों तक अनधिकृत पहुंच बनाने तथा संवेदनशील जानकारी चुराने की कोशिश की जा रही हैं। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसी भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-आईएन) ने यह जानकारी दी। सीईआरटी-आईएन ने व्हाट्सऐप वेब और डेस्कटॉप उपयोगकर्ताओं को किसी भी फाइल को लेकर सावधान रहने की चेतावनी दी है, भले ही वे किसी दोस्त, सहकर्मी या परिवार के सदस्य की तरफ से ही क्यों न प्राप्त हुई हों।

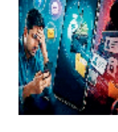

चिंतन

अब देश में ही पूरा होगा विदेशी डिग्री का सपना

देश में उच्च शिक्षा के नए दौर की शुरूआत हो रही है। केंद्र सरकार द्वारा 15 प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की मंजूरी देना केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत है। लंबे समय से लाखों भारतीय छात्र बेहतर शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय डिग्री के लिए विदेश जाने को मजबूर रहे हैं। अब वही अवसर देश के भीतर उपलब्ध होंगे। इससे न केवल छात्रों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा। हर वर्ष लाखों भारतीय छात्र अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोप के अन्य देशों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं। इस प्रक्रिया में करोड़ों डॉलर की विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाती है। विदेश में पढ़ाई का कुल खर्च कई बार 80 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंच जाता है, जो अधिकांश परिवारों की पहुंच से बाहर होता है। ऐसे में यदि वही डिग्री, वही पाठ्यक्रम, वही मूल्यांकन प्रणाली और अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी भारत में ही उपलब्ध हो जाए, तो यह लाखों छात्रों के लिए सुनहरा अवसर होगा। सरकार ने जिन विश्वविद्यालयों को मंजूरी दी है, उनमें यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, ब्रिस्टल, यॉर्क, लिवरपूल, इलिनोइस टेक और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। इन विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का स्तर उनके मूल कैंपस के अनुरूप होगा। पाठ्यक्रम, परीक्षा, मूल्यांकन और डिग्री में कोई अंतर नहीं रखा जाएगा। यही नहीं, छात्रों को एक या दो सेमेस्टर विदेशी कैंपस में पढ़ने का अवसर भी मिलेगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की उस सोच को भी मजबूत करती है, जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि इस फैसले के साथ कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या विदेशी विश्वविद्यालय भारत में भी अपने मूल कैंपस जैसी गुणवत्ता बनाए रख पाएंगे? इसलिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अन्य नियामक संस्थाओं को नियमित निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। फैकल्टी, शोध सुविधाएं, प्रयोगशालाएं, प्लेसमेंट और शैक्षणिक मानकों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। दूसरी चुनौती फीस को लेकर भी है। भले ही विदेश की तुलना में पढ़ाई का खर्च 30 से 40 प्रतिशत कम होगा, लेकिन यह अभी भी देश के अनेक विद्यार्थियों के लिए महंगा हो सकता है। इसलिए छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और वित्तीय सहायता की मजबूत व्यवस्था जरूरी होगी। सरकार और विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली छात्र केवल फीस के कारण इन संस्थानों से वंचित न रहें। इस निर्णय का एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। यदि आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में छात्र विदेश जाने के बजाय भारत में ही पढ़ाई करेंगे, तो विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत होगी। भारत केवल छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत देश नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय शिक्षा का आकर्षक गंतव्य भी बन सकता है। विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खुलना भारतीय शिक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। इससे लाखों छात्रों का विदेशी डिग्री हासिल करने का सपना अपने ही देश में पूरा हो सकेगा। साथ ही ब्रेन ड्रेन में कमी, विदेशी मुद्रा की बचत, वैश्विक स्तर की शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर जैसे अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

दिवस विशेष

बाल मुकुन्द ओझा

सांख्यिकी संख्याओं का खेल नहीं, विकास का आईना है

भारत में हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य रोजाना की जिंदगी और योजना एवं विकास की प्रक्रिया में सांख्यिकी के महत्त्व के प्रति लोगों को जागरुक करना है। यह दिन भारत के प्रख्यात सांख्यिकीविद प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जन्मतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। वे आंकड़ों के जादूगर थे। भारत सरकार ने वर्ष 2007 में आधिकारिक तौर पर प्रत्येक वर्ष 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। पहला सांख्यिकी दिवस 29 जून 2007 को मनाया गया था। वर्ष 2026 का राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस भारत के लिए और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश विकसित भारत @2047 के विजन की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है, जहां डेटा-संचालित नीतियां देश की प्रगति का मुख्य आधार हैं। किसी भी योजना और परियोजना की सफलता उसके सांख्यिकीय महत्त्व पर निर्भर करती है। आंकड़े हमें नियोजित विकास की राह प्रदर्शित करते है। भारत सरकार सांख्यिकीय आंकड़ों के जरिये समय समय पर विकास का आइना दिखती है। यही हमारी प्रगति का अहसास कराती है। बाधाओं का ज्ञान भी कराती है। बिना आंकड़ों के हम किसी योजना की सफलता का अनुमान नहीं लगा पाते। सांख्यिकी केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की कहानी कहने वाली भाषा है। जैसा कि प्रोफेसर पी. सी. महालनोबिस ने कहा था, सांख्यिकी का उद्देश्य केवल डेटा एकत्र करना नहीं है, बल्कि उसके आधार पर सही निष्कर्ष निकालकर समाज का कल्याण करना है। पीसी महालनोबिस बंगाली साइंटिस्ट और अप्लाइड स्टैटिस्टीशन थे, जिनका जन्म 29 जून 1893 को कोलकाता में हुआ था। उन्हें पॉप्युलेशन स्टडीज की सांख्यिकी माप महालनोबिस डिस्टेंस देने के लिए जाना जाता है। वह स्वतंत्र भारत के पहले योजना आयोग के सदस्य भी थे। महालनोबिस ने इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट की नींव रखी और बड़े पैमाने पर सैंपल सर्वे को तैयार करने में भी योगदान दिया। उनके इस योगदान के चलते उन्हें भारत में मॉडर्न स्टैटिस्टिक्स का पिता माना जाता है। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें स्वतंत्रता के बाद नवगठित केंद्रीय मंत्रिमंडल का सांख्यिकी सलाहकार भी नियुक्त किया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू के काफी नजदीक रहने के बावजूद उन्होंने कभी कोई पद आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया। सरकार ने महालनोबिस के विचारों का उपयोग करके कृषि और बाढ़ नियंत्रण के क्षेत्र में कई अभिनव प्रयोग किए। उनके द्वारा सुझाए गए बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर अमल करते हुए सरकार को इस दिशा में अप्रत्याशित सफलता मिली। स्वतंत्र भारत में औद्योगिक उत्पादन की बढ़ोतरी तथा बेरोजगारी दूर करने के प्रयासों को सफल बनाने के लिए महालनोबिस ने ही योजना तैयार की थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने के उद्देश्य के लिए वर्ष 1949 में महालनोबिस की अध्यक्षता में ही एक श्राष्ट्रीय आय समितिश का गठन किया गया था। जब आर्थिक विकास को गति देने के लिए योजना आयोग का गठन किया गया तो उन्हें इसका सदस्य बनाया गया। महालनोबिस चाहते थे कि सांख्यिकी का उपयोग देशहित में हो। उन्होंने देश को आंकड़ा संग्रहण की जानकारी दी। साथ ही भारत सरकार की दूसरी पंचवर्षीय योजना का मसौदा तैयार करने में उन्होंने अपनी अहम भूमिका निभाई। पीसी महालनोबिस बहुआयामी प्रतिभा के धनी थे। एक वैज्ञानिक होने के साथ ही साहित्य में भी उनकी जबरदस्त रुचि थी। उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की कृतियों पर अनेक लेख लिखे थे। शांति निकेतन में रहकर महालनोबिस ने टैगोर के साथ करीब 2 महीने का समय बिताया। इस दौरान टैगोर ने उन्हें आश्रमिका संघ का सदस्य बना दिया। बाद में जब टैगोर ने विश्व भारती की स्थापना की, तो महालनोबिस को संस्थान का सचिव भी नियुक्त किया। आज जब भारत विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध सांख्यिकीय आंकड़े नीति निर्माण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। महालनोबिस का जीवन इस बात का प्रमाण है कि विज्ञान और सांख्यिकी का उद्देश्य केवल संख्याओं का संग्रह करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के हित में उनका सार्थक उपयोग करना है। डिजिटल युग में डेटा ही नई शक्ति बन चुका है और यही शक्ति भारत को आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसलिए सांख्यिकी को केवल विषय नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता व राष्ट्र निर्माण के सबसे प्रभावी उपकरण के रूप में स्वीकार करने की आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

करवट

कुमार प्रशांत

लोकतंत्र का एंकाउंटर हो रहा है

हैदराबाद का 2019 का वह मामला याद कीजिए जब वहां की पुलिस ने 4 लोगों का दिन-दहाड़े एंकाउंटर किया था और कारण यह बताया था कि ये अपराधी पुलिस से उसका हथियार छीन कर, उस पर हमला करने की कोशिश में थे। पुलिस ने बड़ी वाहवाही लूटी कि उसने ऐसे दुर्दांत अपराधियों का काम तमाम कर दिया। बाद में इस कहानी के दूसरे पन्ने खुले और खुलते चले गए। आखिरी पन्ना यह कहता है कि जिस तरह इन 4 अपराधियों का काम तमाम किया गया, उसे पुलिसिया गुंडागर्दी कहना चाहिए। आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट की यह टिप्पणी किसी भी पुलिस संगठन को सर उठा कर चलने देगी क्या जिसमें वह कहती है कि पुलिस वर्दीधारी गुंडों की जमात है ?

बिहार की राजधानी पटना; पटना भोजपुर; और भोजपुर का नया चर्चित चेहरा भरत तिवारी ! कहानी की तरह जो बात हर कहीं कही व छापी जा रही है, वह कुछ यूं है कि कुछ लोग भरत तिवारी को अपराधी करार दे रहे हैं, कुछ उन्हें रॉबिनहुड का अवतार बता रहे हैं. लेकिन इन सारी आवाजों व शोर के बीच जो बात उभर ही नहीं पा रही है वह है राज्य द्वारा नागरिकों का शिकार..'! इसे एनकाउंटर कहिए या फेंक एनकाउंटर कहिए, हत्या कहिए या शिकार कहिए, सच्ची व ठोस हकीकत यह है कि एक कोई भरत तिवारी नाम का युवक था कि जो पुलिस के काबू में नहीं आ रहा था। पुलिस ने आत्मसमर्पण के बाद उसे घेर कर, खुले आसमान के नीचे गोली मार कर काबू में कर लिया। पुलिस के मुताबिक जो अपराधी था, वह नहीं रहा तो कहानी तमाम होती है. लेकिन क्या सच में कहानी तमाम होती है ?

2005 का गुजरात ! सारा देश सोहराबुद्दीन शेख नाम के आतंकी के एंकाउंटर की कहानी से गूंज रहा था। तब आलम ऐसा बनाया गया था मानो आतंकियों का कोई अंतरराष्ट्रीय गैंग है जिसने गुजरात में अपनी तमाम ताकत झोंक दी है, वहां से पुलिस-आतंकवादियों के मुठभेड़ की रोज एक-न-एक कहानी सामने आती ही थी, और कमाल यह था कि हर कहानी के अंत में 'आतंकवादी' मारे जाते थे, पुलिस को खरोंच तक नहीं आती थी. ऐसा कैसे होता है कि जान देने की पूरी तैयारी से आए आतंकवादी ताश के पत्तों से ढह जाते थे ? पुलिस लाशें गिनती थी, प्रशासन उनका प्रदर्शन करता था और कहता था कि सत्ता की सबसे ऊंची कुर्सी इनके निशाने पर थी। हमने उसका काम तमाम कर दिया। आज सोहराबुद्दीन शेख व एनकाउंटर के ऐसे तमाम मामले अदालतों में गहरे शक के घेरे में हैं; और कई मामले ऐसे भी हैं कि जिनमें अदालत ने तथाकथित अपराधियों को निर्दोष बता दिया है।

आतंकी कार्रवाईयों का चरम था मुंबई बमब्लास्ट ! उस केस में भी सालों मुकदमे के बाद भी पुलिस-प्रशासन अदालत को संतुष्ट नहीं कर सका कि वह जिन्हें आतंकवादी या आतंकी षड्यंत्र का सफरमैना कह रहा है, उसमें सत्य व तथ्य हैं। वर्षों जेल में रहने के बाद एक-एक कर वे सभी निरीह लोग रिहा होते गए जिनका जीवन बर्बाद हो चुका था। क्या ये सब निर्दोष थे ? कौन कहे ? पुलिस ने किसी को ऐसा कहने लायक़ नहीं छोड़ा! लेकिन यह बात दिन के उजाले की तरह साफ है कि पुलिस की अपनी भूमिका पर अदालत को गहरा संदेह है।

हैदराबाद का 2019 का वह मामला याद कीजिए जब वहां की पुलिस ने 4 लोगों का दिन-दहाड़े एंकाउंटर किया था और कारण यह बताया था कि ये अपराधी पुलिस से उसका हथियार छीन कर, उस पर हमला करने की कोशिश में थे। पुलिस ने बड़ी वाहवाही लूटी कि उसने ऐसे दुर्दांत अपराधियों का काम तमाम कर दिया। बाद में इस कहानी के दूसरे पन्ने खुले और खुलते चले गए। आखिरी पन्ना यह कहता है कि जिस तरह इन 4 अपराधियों का काम तमाम किया गया, उसे पुलिसिया गुंडागर्दी कहना चाहिए। आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट की यह टिप्पणी किसी भी पुलिस संगठन को सर उठा कर चलने देगी क्या जिसमें वह कहती है कि पुलिस वर्दीधारी गुंडों की जमात है ?

हमारा संविधान कहता है कि आप इस तरह किसी की

कहानी तमाम नहीं कर सकते ! फिर संविधान आगे कहता है कि पुलिस का काम अपराध की रोकथाम करना है और जो अपराधी बेकाबू हो जाए उसे गिरफ्तार कर, न्यायालय में ला खड़ा करना है ताकि न्यायालय उसे संविधान के मुताबिक सजा दे सके. अदालत ने जो सजा दी, उसके साथ उस व्यक्ति को जेल तक पहुंचा देना पुलिस का काम है। संविधान इससे अधिक या इससे आगे पुलिस की किसी भूमिका को मान्य नहीं करता है। लेकिन यहीं एक पेंच खड़ा होता है कि संविधान ही यह भी कहता है कि आत्मरक्षा में किसी की जान चली जाए, तो उसे सामान्य अपराध नहीं माना जाएगा है। संविधान की इसी धारा की आड़ में वह सारी मनमानी चलती है कि जिसे हम यहां एंकाउंटर या फेंक एंकाउंटर या पुलिस-अपराधी मुठभेड़ कह रहे हैं।

ऐसा जाली मुकाबला सरकार व नागरिकों के बीच, संविधान व उसकी बनाई एजेंसियों के बीच भी इन दिनों ख़ूब चल रहा है। एसआईआर इसका सबसे ख़तरनाक उदाहरण है। संविधान को बाजू कर, जब आप निहत्थे नागरिकों को घेर कर, उनका तमाम कर देते हो तब इसे लोकतंत्र का एंकाउंटर कहते हैं। आप देखिए कि यहां बंदूक़ चुनाव आयोग के हाथ में है, ट्रिगर पर अंगुली सत्ताधारियों की है और संविधान न्यायपालिका के काले लबादे की जेब में धरा घुट रहा है।

संविधान या ऐसे तमाम दस्तावेजों की एक दिक्कत है- उनके शब्द और उनके हेतु के बीच एक खाई है। शब्द व अर्थ के बीच ऐसी खाई हर जगह है और यह एकदम स्वाभाविक भी है, क्योंकि शब्द हमेशा बेजान होते हैं। शब्द जो कहना चाहते हैं, वे तभी पूरी तरह कह पाते हैं जब कोई उन शब्दों को आचरण में उतारता है। शब्द आचरण में उतरते ही बला के शक्तिवान हो उठते हैं। लेकिन जब आप शब्दों को आचरण से दूर कर देते हैं तो वे बेजान व अर्थहीन हो जाते हैं। मसलन, संविधान ने कहा कि पुलिस अपराधी को पकड़कर अदालत के सामने खड़ा करे, यही उसका काम है। न आगे, न पीछे। अब पुलिस भी जानती है और हम भी जानते हैं कि अपराधी हाथ बांध कर तो सामने आएगा नहीं कि लो पुलिस भाई, हम यहां खड़े हैं, आओ और अपनी संवैधानिक जिम्मेवारी पूरी कर लो ! वह भागेगा, धोखा देगा, धमकी देगा, कभी हमला भी कर सकता है लेकिन पुलिस को अपनी संवैधानिक भूमिका यदि याद है, तो वह ऐसी तमाम कोशिशें को नाकाम करते हुए, बगैर उत्तेजित होते हुए उसे घेरती रहेगी, बांधती-साधती, निरुपाय करती रहेगी। चूहा-बिल्ली का यह खेल लंबा नहीं चल सकता है, क्योंकि अपराधी या आतंकी हमेशा कमजोर पिच पर खेलता होता है व उसका बल्ला भी खोखला होता है। नियमतः चलने वाली पुलिस के पीछे सारा देश, पूरे-का-पूरा संविधान खड़ा होता है. तो अंततः वह अपराधी टूटेगा ही। इधर वह टूटा, उधर पुलिस को अपना काम पूरा करने का मौका मिला. इसमें जितना वक्त लगेगा, पुलिस को जितना धैर्य रखना पड़ेगा, वह संविधान के पालन की कीमत है। लोकतंत्र की यह कम-से-कम क़ीमत है जिसे सबको अदा करनी चाहिए. पुलिस अपनी विफलता, भ्रष्ट आचरण, अपने ऊपर के अधिकारियों के अहं की तुष्टि याकि सत्ताधीशों के स्वार्थ को पूरा करने का औजार बन जाती है तब एंकाउंटर वाला रास्ता खुलता है।

वह स्वर्णाक्षरों में लिखी जाने वाली हिदायत याद रखें हम कि भले कई अपराधी छूट जाएं लेकिन एक निरपराध को सजा नहीं मिलनी चाहिए. यह हिदायत अपराधियों को नजरंदाज करने या उन्हें किसी तरह की छूट देने की बात नहीं करती है। यह बताना चाहती है कि अपराधी व निरपराधी के बीच एक अत्यंत पतली लकीर होती है जिसे कोई पार न कर जाए, इसकी सावधानी प्रशासन को, सरकार को रखनी ही चाहिए. ऐसा नहीं हुआ तो समाज एक ऐसे जंगल में बदल जाएगा जिसमें हर शक्तिवान अपने से कम शक्तिवान का शिकार खेलेगा. हम ऐसे जंगल में रहना चाहते हैं कि समाज में ? इसके जवाब में आप जो कहेंगे उससे निर्धारित होगा कि आप लोकतंत्र के नागरिक हैं या किसी के पोशीदा हेतु को पूरा करने के औजार ?

शरणागति के संत 'गोस्वामी तुलसीदास'

संकलित

दर्शन

भगवान शंकर जी ने भी विष पिया और गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी। दोनों ने समाज को रामकथामृत देकर धन्य कर दिया। संसार में और समुद्र में अमृत-मंथन करने पर विष अवश्य निकलेगा, पर उसमें राम को जोड़ दिया तो वह विष भी अमृत हो जाएगा। यही तुलसीदास जी ने किया- ***गरल सुधा रिपु करहिं मिताई, गोपद सिंधु अनल सित लाई। गरुड़ सुमेरु रेनु सम ताही, राम कृपा करि चितवा जाही।।*** राम नाम के प्रति गोस्वामी जी की आस्था तो सावन मास के अंधे की तरह थी, जिन्हें राम प्रेम में सब हरा ही हरा दिखाई देता था। राम की कृपा के प्रति गोस्वामी तुलसीदास जी की यह जो दीनता और शरणागति है, यही उनका चरम पुरुषार्थ है। कृपा के मूल में पुरुषार्थ नहीं होता है, अपितु पुरुषार्थ के मूल में कृपा होती है। रामचरितमानस कृपासाध्य ग्रंथ है, साधन साध्य नहीं। कर्म, उपासना, साधन, अनुष्ठानादि सब ठीक हैं, पर यह सब पाने के साधन हैं, किंतु जिसके जीवन में प्राप्तव्य ही कृपा से प्राप्त हुआ हो, वह क्या करे? रामचरितमानस में पुरुषार्थ के चरम आदर्श श्री लक्ष्मण जी और कृपा के चरम आदर्श श्री भरत जी दोनों के आदर्श और सर्वस्व श्रीराम हैं। इसका तात्पर्य यह है कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने वाल्मीकि जी, व्यास जी और जितने भी श्रेष्ठतम पुराणकार हुए सबकी वंदना की है, पर उन्होंने अपने ग्रंथ में न तो इतिहास को उठाया, न किसी ग्रंथ से कुछ लिया। इसीलिए श्रीरामचरितमानस भक्तों के हृदय सिंहासन पर विराजमान हो सका।

बहरुपियों से हमेशा सतर्क व सावधान रहें

संकलित

प्रेरणा

एक कबूतर और एक कबूतरी एक पेड़ की डाल पर बैठे थे। उन्हें बहुत दूर से एक आदमी आता दिखाई दिया। कबूतरी के मन में कुछ शंका हुई और उसने कबूतर से कहा कि चलो जल्दी उड़ चले नहीं तो ये आदमी हमें मार डालेगा। कबूतर ने लंबी सांस लेते हुए आराम के साथ कबूतरी से कहाः भला उसे ध्यान से देखो तो सही, उसके कपड़े देखो, चेहरे से भोलापन टपक रहा है, ये हमें क्या मारेगा, बिलकुल सज्जन पुरुष लग रहा है। कबूतर की बात सुनकर कबूतरी चुप हो गई। जब वह आदमी उनके पास आया तो अचानक उसने अपने वस्त्र के अंदर से तीर कमान निकाला और झट से कबूतर को मार दिया। और बेचारे उस कबूतर के वहीं प्राण पखेरू उड़ गए। असहाय कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई और बिलखने लगी। उसके बाद वह कबूतरी रोती हुई अपनी फरियाद लेकर राजा के पास गई और राजा को उसने पूरी घटना बताई। राजा ने तुरंत अपने सैनिकों को उस शिकारी को पकड़कर लाने का आदेश दिया। तुरंत शिकारी को पकड़ कर दरबार में लाया गया। शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। कबूतरी ने बहुत दुःखी मन से कहा किः हे राजन, मेरा जीवन साथी तो इस दुनिया से चला गया जो फिर कभी भी लौटकर नहीं आएगा, इसलिए मेरे विचार से इस क्रूर शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि अगर वो शिकारी है तो उसे हर समय शिकारी वाले कपड़े पहनना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

चढ़ावे की चोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो

चार माह पहले मुझे अयोध्या, प्रयागराज व काशी जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। मैंने नहीं सोचा था कि अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे के पैसे पर ही डाका पड़ जाएगा। जो लोग चढ़ावे के नोट गिनते थे, उन्होंने ही हेराफेरी कर ली। बताया जाता है कि पिछले चार वर्षों में करोड़ों का घोटाला हो गया और यह हेराफेरी करने वालों के संबंध बड़े बड़े लोगों से हैं। लोगों द्वारा चढ़ाए गए करोड़ों रुपए के सोने-चांदी व हीरे के हार गायब हो गए हैं। इस संबंध में जनता चाहती है कि घोटाला करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। प्रचार किया जाता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार के प्रति सख्त रवैया रखने वाले मुख्यमंत्री हैं, तो क्यों न इस घोटाले के आरोपियों को बेनकाब किया जाए।

- संजय साहू, दुर्ग

ट्रेंड

मतदाताओं से बातचीत करेंगे

मैं जम्मू-कश्मीर की खूबसूरत वादियों के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले मतदाताओं के साथ बातचीत करूंगा, खासकर बडगाम जिले के जमीनी स्तर पर कार्यरत बूथ-स्तरीय अधिकारियों के साथ, जो आयोग की नींव हैं। बीएलओ और अन्य संबंधित पक्षों के साथ संवाद करेंगे।

-ज्ञानेश कुमार, सीईसी

अपने अंदर झांके पाक

हमने कराची में घटना के संबंध में भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने वाली पाकिस्तानी रिपोर्ट देखी हैं। 'हम इन आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय, पाक को अपने अंदर झांकना चाहिए।

-रणधीर जायसवाल, प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

सख्त कार्रवाई होगी

मुझे जानकारी मिली है कि पान मसाला व गुटखा जैसे उत्पादों में भी नशा मिलाया जा रहा हैं। यदि कोई इन उत्पादों में थोड़ी-सी मात्रा में भी कोई नशीला पदार्थ मिलाता पाया गया, तो कर्नाटक में ऐसे उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। **-डीके शिवकुमार,** सीएम, कर्नाटक

सबसे यादगार पल

विश्व चैंपियनशिप मेरे करियर के सबसे खास टूर्नामेंट में से एक है। कुछ सबसे यादगार पल, सबसे मुश्किल सबक और सबसे फक्र करने वाली उपलब्धियां इसी मंच पर मिली हैं। 'भारत में अपने प्रशंसकों के सामने विश्व चैंपियनशिप में खेलने का मौका और भी विशेष बनाता है।

-पीवी सिंधू, बैडमिंटन खिलाड़ी

करंट अफेयर

वॉशिंगटन में भारतीय आमों का स्वाद चखने उमड़ी भीड़

अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित 'ड्यूपॉन्ट सर्कल' में हजारों लोग भारतीय आमों की मिठास और लजीज बिरयानी का स्वाद लेने के लिए उमड़े। भारतीय दूतावास ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया था जिसमें भारतीय मूल के अमेरिकी वर्जीनिया और मैरीलैंड से ड्यूपॉन्ट सर्कल पहुंचे। उन्होंने पुरानी यादें ताजा कीं और केसर, लंगड़ा एवं मालदा सहित विभिन्न किस्मों के रसीले आमों का स्वाद चखा। अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की दिशा ने केसर आम का लुत्फ उठाते हुए कहा, 'मुझे याद है कि गर्मियों में मेरी दादी हमें आम खिलाया करती थीं। मैं बस भारतीय आमों का स्वाद लेने के लिए ही यहां आई हूं।' फुटबॉल विश्व कप देखने के लिए अमेरिका की यात्रा कर रहे एंड्रयू ने कहा, 'मैंने पहले कभी इतना स्वादिष्ट आम नहीं खाया।' 'टेस्ट द ट्रॉपिकल मैजिक' नामक यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से वॉशिंगटन में गर्मियों के दौरान प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता रहा है और इसका दायरा हर साल बढ़ता जा रहा है। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, 'यहां केवल आम का की एक फांक या भारत की झलक ही नहीं, बल्कि भारत के विविध स्वाद उपलब्ध हैं।'

ऑफ बीट

आहार की नई सिफारिश में अधिक सब्जियों पर जोर

ईएटी-लैंसेट आयोग का कहना है कि पिछले सप्ताह जारी उनके 'प्लैनेटरी हेल्थ डाइट' को अपनाने से दुनिया भर में प्रतिदिन 40,000 समयपूर्व मौतों को रोका जा सकता है और 2050 तक कृषि से होने वाले मीथेन उत्सर्जन में 15 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है। इस आहार में अधिक सब्जियों, फल, साबुत अनाज, दालें और मेवे शामिल करने की सिफारिश की गई है, जबकि मांस, मछली, मुर्गी और दुग्ध उत्पाद को सीमित मात्रा में रखा गया है। यदि आप एक थाली की कल्पना करें, तो उसका आधा हिस्सा सब्जियों और फलों (जिनमें सब्जियां अधिक हों) से भरा होना चाहिए। बाकी आधे हिस्से में साबुत अनाज और वनस्पति आधारित प्रोटीन हों। इसमें थोड़ी मात्रा में पशु उत्पाद और स्वस्थ वसा के लिए स्थान है, लेकिन अतिरिक्त चीनी बहुत कम रखी जानी चाहिए। विशेष रूप से मक्खन का कहीं जिक्र नहीं किया गया। सबसे विवादास्पद सिफारिश है-मांस की मात्रा : केवल 14 ग्राम प्रतिदिन लाल मांस और 29 ग्राम प्रतिदिन चिकन। न्यूजीलैंड का पारंपरिक आहार इस सिफारिश से काफी अलग है। लेकिन देश भर में किशोर लड़कियों पर किए गए एक हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि अब एक बदलाव आ रहा है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर

फोन: 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइट: www.haribhoomi.com

डीआरडीओ ने भारतीय वायुसेना को सौंपा

बाज की निगाहें, चीते जैसी फुर्ती, भारत के 'नेत्रा' एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग सिस्टम जंग-ए-मैदान में जाने तैयार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आखिरकार डीआरडीओ यानी डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने भारतीय वायुसेना को बाज की निगाह और चीते जैसी फुर्ती वाला नेत्रा एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग सिस्टम पूरी तरह से सौंप दिया। पूरी तरह से इसलिए, क्योंकि इस स्वदेशी सिस्टम का फाइनल ऑपरेशनल क्लीयरेंस अब तक बाकी था। ये सर्टिफिकेट ट्रायल और वैलिडेशन पूरा होने के बाद ही दिया जाता है। अब ये सर्टिफिकेट भी एयरफोर्स को मिल गया है, जिसके बाद नेत्रा अब जंग के मैदान में जाने के लिए तैयार है।

लगा होता है एईएसए रडार

नेत्रा एईडब्ल्यू एंड सी अपने प्लेटफॉर्म के तौर पर ब्राजील के एम्ब्रेयर -145 एयरफ्रेम का इस्तेमाल करता है, जिसके ऊपरी हिस्से (डॉर्सल फिन) में एक एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे रडार लगा होता है। ऐसे तीन विमान पहले शुरुआती ऑपरेशनल मंजूरी के साथ आईएएफ को सौंपे गए थे। इन्होंने फरवरी 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक में आईएएफ को गाइड करने वाले 'ऑपरेशनल ब्रेन' के तौर पर अहम भूमिका निभाई थी।

रडार लंबी दूरी के खतरे पता करने में सक्षम : नेत्रा के अलावा भारत रूस के आईएल-76 विमान पर आधारित तीन फाल्कन एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम का भी इस्तेमाल करता है। बेहतर इंजन वाले रूसी आईएल-76 विमान पर लगे फाल्कन सिस्टम में एडवांस्ड रडार लगा है। यह रडार लंबी दूरी से हवा और जमीन से जुड़े खतरों–जैसे क्रूज मिसाइल और विमान का पता लगाने में सक्षम है।

चुनौतियों और फैसले का जिक्र

वीडियो मैसेज में इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के चीफ, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि तेजी से बदलते जियोपॉलिटिकल माहौल में यह उपलब्धि और भी अहम हो जाती है। दीक्षित ने छह और एयरक्राफ्ट शामिल करके 'नेत्रा' प्रोग्राम के प्रस्तावित विस्तार का भी स्वागत किया और भरोसा जताया कि भविष्य के प्रोजेक्ट्स भी स्वदेशी एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम जैसी ही सफलता हासिल करेंगे।

इन अधिकारियों की रही मौजूदगी : बेंगलुरु में एफओसी सर्टिफिकेट सेरेमनी के दौरान रक्षा सचिव और डीआरडीओ के चेयरमैन राजेश कुमार सिंह ने भी डीजी (एरो) और एईडब्ल्यूएंडसी टीम को बधाई दी। सर्टिफिकेट सौंपने वाले समारोह में आईएएफ के पूर्व चीफ एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया (रिटायर्ड), डीआरडीओ के पूर्व चेयरमैन एस क्रिस्टोफर सहित अन अधिकारी मौजूद थे।

मजबूती से होगी निगरानी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एफओसी की उपलब्धि न केवल एक तकनीकी मील का पत्थर है, बल्कि भारत की हवाई निगरानी और कमांड-एंड-कंट्रोल क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक रणनीतिक प्रगति भी है।

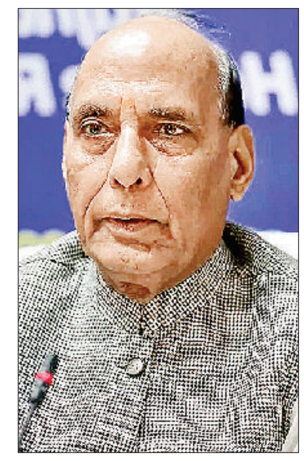

'नेत्रा' की 10 खासियत

- 300 से 360 डिग्री तक रडार कवरेज देता है
- रियल–टाइम बैटलफील्ड मैनेजमेंट कर सकता है
- दोस्त और दुश्मन की पहचान कर लेने की भी क्षमता है
- 250 से 500 किलोमीटर तक की डिटेक्शन में माहिर है
- खुद के फाइटर जेट्स को रियल टाइम निर्देश दे सकता है
- लंबी दूरी से आने वाले प्रोजेक्टाइल का पता लगा लेने में सक्षम है
- दुश्मन के विमानों–ड्रोन और क्रूज मिसाइल को ट्रैक कर सकता है
- फाइटर जेट या कोई भी विमान के अलावा जहाजों का पता लगाता है
- नेत्रा बेहद खास तरह का एयरबोर्न रडार और कमांड सेंटर है
- इसकी तकनीक बेहतरीन है, जिससे दुश्मन का बच पाना मुश्किल है

मिडिल ईस्ट में फिर बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर किए हमले

ट्रम्प बोले- ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा, ईरान ने कहा- जीवन नरक बना देंगे

एजेंसी ▶▶| तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने शनिवार को ईरान पर एक और सैन्य हमला किया। यह कार्रवाई स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास पनामा के झंडे वाले एक तेल टैंकर पर हुए हमले के बाद की गई। अमेरिका का कहना है कि ईरान ने युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान नहीं माना तो उसका अस्तित्व खत्म हो सकता है। अमेरिका द्वारा की गई चेतावनी पर ईरान ने कहा कि खाड़ी में मौजूद अमेरिकी सैनिकों का जीवन नरक बना देंगे। अमेरिका द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के बावजूद ईरान ने बहरीन और कुवैत में अमरीकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

हम और संयम नहीं बरत पाएंगे : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर उन्होंने कहा लगता है ईरान कभी नहीं सुधरेगा, लेकिन हम और संयम नहीं बरत पाएंगे। एक समय ऐसा भी आ सकता है जब हमें उस सैन्य अभियान को पूरा करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हमने बहुत सफल तरीके से की थी। अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व ही नहीं बचेगा।

ईरान ने कई अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना: आईआरजीसी ने कहा है कि नेवी और वायु सेना ने सुबह 2 से 3 बजे के बीच एक संयुक्त मिसाइल और ड्रोन ऑपरेशन लॉन्च किया। उसने कुवैत में अली अल-सलेम एयर बेस और सलमान पोर्ट, बहरीन में नौसैनिक अड्डे को निशाना बनाया है। यह दक्षिणी ईरान पर अमेरिका की हालिया आक्रामकता का निर्णायक जवाब है।

चार जुलाई से शुरू होगा खामेनेई का अंतिम संस्कार: ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह 4 जुलाई से शुरू होगा। अंतिम संस्कार समिति के प्रवक्ता ने कहा इससे जुड़ी तैयारियां कई बार पूरी कर ली गई थीं, लेकिन युद्ध की वजह से समारोह को बार-बार स्थगित करना पड़ा। 8 को इराक के पवित्र शहरों नजफ और करबला में भी अलग श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने दी प्रतिक्रिया

अमेरिका के हमलों के जवाब में ईरान ने धमकी दी है कि खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों को आने वाले दिनों में नरक का सामना करना पड़ेगा। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर के नौसेना कमांडर ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य पर हमारे नियंत्रण में है और वहां से गुजरने के नियमों के उल्लंघन करने वालों पर हमारी कार्रवाई जारी रहेगी। ईरान ने कहा होर्मुज पर हमारा नियंत्रण है इसमें किसी और का दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईरान ने होर्मुज को 30 दिन के भीतर खोलने पर सहमति व्यक्त की है।

ईरान-इराक के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इराक की राजधानी बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। अल जजीरा के मुताबिक, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और द्विपक्षीय संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए इराक के धार्मिक स्थलों पर आपसी समन्वय पर भी बातचीत हुई।

यूक्रेन के हमले में दो बड़ी रूसी तेल रिफाइनरी में लगी आग

कीव। यूक्रेन के ड्रोन हमले में दक्षिणी रूस की दो बड़ी तेल रिफाइनरी में आग लग गई। इस घटना में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इस अभियान ने रूस की ईंधन और सैन्य साजो-सामान की आपूर्ति को बाधित किया है। जानकारों के मुताबिक, इसने युद्ध के मैदान में मॉस्को की कोशिशों को भी धीमा कर दिया है, जिससे क्रेमलिन पर बातचीत की मेज पर आने का दबाव बढ़ गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''आज शनिवार रात रूस की दो तेल रिफाइनरी हमारी लंबी दूरी के ड्रोन हमले की जद में आ गईं। एक हमले का मतलब रूस की युद्ध क्षमता को कम करना और दूसरे हमले का मकसद शांति की ओर कदम बढ़ाना है।

कराची आतंकी हमला

'दूसरों पर नहीं, अपने गिरेबान में झांको', भारत का पाक को करारा जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कराची में हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान की ओर से भारत पर लगाए गए आरोपों पर भारत ने कड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान के आरोप पूरी तरह निराधार हैं और भारत उन्हें सिरे से खारिज करता है। उन्होंने कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय पाकिस्तान को अपने भीतर झांकने और अपनी जमीन पर सक्रिय आतंकी ढांचे के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं इस बीच, पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने रविवार को जारी बयान में दावा किया कि हमला जमात-उल-अहरार से जुड़े आतंकियों ने किया था। जमात-उल-अहरार, प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से अलग हुआ गुट है।

'आतंकी ढांचे पर कार्रवाई करे पाक'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान को दूसरे देशों पर आरोप लगाने के बजाय अपनी धरती पर मौजूद आतंकवादी ढांचे के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए। पाकिस्तान को राज्य की नीति के एक साधन के रूप में आतंकवाद पर निर्भर रहने की अपनी प्रवृत्ति से भी बाहर निकलना होगा।

क्या है पूरा मामला?

पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के गुलिस्तान-ए-जौहर कैंप पर हुए आतंकी हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं, जबकि तीन हथियारबंद हमलावरों की भी जान गई है और एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

10 YEAR WARRANTY | BAJAJ SECURE • AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE | 72198 21111 | Flipkart | amazon.in

*नियम और शर्तें लागू. चुनिंदा मॉडलों पर 1 जून से 30 जून 2026 तक छूट उपलब्ध है. लागू ऑफर मॉडल/राज्यों के अनुसार भिन्न हो सकते हैं. ई-कॉमर्स ऑफर संबंधित ई-कॉमर्स पार्टनर की शर्तों के अधीन हैं. ई-कॉमर्स ऑफर पार्टनर के अनुसार भिन्न हो सकते हैं. उल्लिखित ESRP बेस वेरिएंट के हैं. ऑफर के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाएं. पल्सर 125 नियॉन पर ₹2 000/- की छूट.

Authorized Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Bilaspur: Tifra Over bridge TRIPUR BAJAJ 9752133444, 9754033444 • Naya Sarkanda KHANDELWAL BAJAJ 9300998989, 9165555222 • Old Bus Stand TRIPUR BAJAJ 7999848912, • **Mungeli** : KHANDELWAL BAJAJ 9399021705, 07755299124 • **Lormi** : KHANDELWAL BAJAJ 9399021701 • **Ambikapur** LAXMI BAJAJ 9074816511, 9754830536 • **Janjgir** SHREE SALASAR BAJAJ 9179981000 • **Champa** 8319235702 • **Korba** TIRUPATI BAJAJ 6232103042, 7879313041 • **Dipka** TIRUPATI BAJAJ 9302444204, **Jamnipali** TIRUPATI BAJAJ 6232123757 • **Raigarh** JINDAL BAJAJ 9589905646,7067109202 • **Jashpur** JINDAL BAJAJ 8817775566, **Baikunthpur** KOREA BAJAJ 9752949291.

खबर संक्षेप

बीते सप्ताह सभी तेल की कीमतों में मामूली सुधार

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम मजबूत होने के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी खाद्य तेल-तिलहनों के दाम में मामूली सुधार रहा। इसके चलते सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम मजबूत बंद हुए। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में बाजार मजबूत हुए हैं पर देश के हाजिर कारोबार में मांग कमजोर रहने से कारोबारी गतिविधियां धीमी हैं। इस कारण विदेशों में जिस तरह दाम बढ़े हैं, उसकी रफ्तार देश के बाजार में धीमी है जिससे तेल-तिलहन कीमतों में मामूली सुधार नजर आया।

आईटीसी प्रमुख पुरी के वेतन में 6.8 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली। विभिन्न कारोबार से जुड़ी कंपनी आईटीसी के चेयरमैन संजीव पुरी का कुल पारितोषिक वित्त वर्ष 2025-26 में 6.8 प्रतिशत घटकर 23.91 करोड़ रुपये रहा। प्रदर्शन आधारित बोनस और दीर्घकालीन प्रोत्साहन/ कमीशन में कमी के कारण वेतन में कमी आई।

आईटीसी की सालाना रिपोर्ट में यह कहा गया। पुरी के पारितोषिक में 3.85 करोड़ रुपये का मूल/एकीकृत वेतन, 88 लाख रुपये की परिलब्धियां और प्रदर्शन आधारित बोनस और दीर्घकालीन प्रोत्साहन/ कमीशन के रूप में 19.17 करोड़ रुपये शामिल थे। पुरी का कुल वेतन इससे एक साल पहले 2024-25 में 25.66 करोड़ रुपये था।

गर्मी के मौसम में एसी की मांग रही ठंडी, शीतल पेय की बिक्री बढ़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की मांग में मिला-जुला रुख देखने को मिला है। मौसम में आए बदलाव और महंगाई के दबाव के कारण एयर कंडीशनर (एसी) की बिक्री अपेक्षा से कमजोर रही है। वहीं ठंडे पेय, आइसक्रीम, डेयरी उत्पाद और अन्य ताजगी देने वाले उत्पादों की मांग मजबूत बनी रही। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि जून में कई हिस्सों में बेमौसम बारिश, आंधी और शाम के समय अपेक्षाकृत कम तापमान रहने से एसी की जरूरत कम महसूस हुई। वहीं बढ़ती कीमतों के कारण उपभोक्ता महंगे एसी खरीदने के बजाय एयर कूलर और पंखों जैसे अपेक्षाकृत सस्ते विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। नंदी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में कई दौर की मूल्य वृद्धि के कारण एसी की कीमतें करीब 18 से 20 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। इसी वजह से कई उपभोक्ता एसी की जगह एयर कूलर और पंखों को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक प्रमुख एसी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस बार गर्मी का मौसम उद्योग की उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, विशेषकर जून का महीना कमजोर रहा।

हालांकि, चालू वर्ष में अब तक उद्योग के कारोबार के मूल्य में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका मुख्य कारण प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और ऊंची कीमतें हैं।

जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की मांग में मिला-जुला रुख रहा

मानसून के आगमन से वाशिंग मशीन की मांग बढ़ी

गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के कारोबार प्रमुख और ईवीपी (उपकरण कारोबार) कमल नंदी ने कहा कि ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की श्रेणी में मांग का रुख मिला-जुला रहा। रेफ्रिजरेटर की मांग सामान्य और प्रीमियम दोनों वर्गों में मजबूत बनी हुई है, जबकि मानसून के आगमन के साथ वॉशिंग मशीन की मांग भी बढ़ रही है।

उत्तर भारत में एसी की बिक्री घटी

हालांकि, उन्होंने कहा कि जून में पूरे देश, खासकर उत्तर भारत में एसी की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उनके अनुसार, उद्योग स्तर पर एसी की बिक्री घटी है। इसकी बड़ी वजह मौसम में बदलाव है। कई क्षेत्रों में आंधी-बारिश और रात के समय तापमान कम रहने से लोगों को एसी की जरूरत पहले जैसी नहीं रही। इसके अलावा महंगाई के चलते उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्च टाल रहे हैं।

सरकार का ध्यान कर प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर केंद्रित

जीएसटी के 10 सालः अब सरकार का ध्यान एआई आधारित अनुपालन, तेज रिफंड पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली लागू होने के 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में अब सरकार का ध्यान केवल कर संग्रह बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित अनुपालन, तेज रिफंड, डेटा एकीकरण और कर प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर केंद्रित हो गया है। इसका उद्देश्य कारोबार क्षेत्रों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अनुपालन लागत कम करना और कर चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाना है। सरकार जीएसटी, आयकर और सीमा शुल्क के डेटाबेस को आपस में जोड़ रही है ताकि जोखिम का बेहतर आकलन किया जा सके, कर चोरी की पहचान आसान हो और मैन्युअल हस्तक्षेप कम किया जा सके।

- सरकार का ध्यान केवल कर संग्रह बढ़ाने तक सीमित नहीं

खास बातें

- एमएसएमई के लिए लागत कम करने पर जोर
- सरकार जीएसटी, आयकर और सीमा शुल्क का डेटा आपस में जोड़ रही

सरकार के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि

साथ ही एआई और डेटा विश्लेषण के जरिये अनुपालन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और दक्ष बनाया जा रहा है। जीएसटी को देश के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में गिना जाता है। इसने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल बनाया है, करदाताओं का दायरा बढ़ाया है, अनुपालन को मजबूत किया है और सरकार के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

शुरुआत में जीएसटी के चार कर स्लैब थे

शुरुआत में जीएसटी में चार कर स्लैब-5, 12, 18 और 28 प्रतिशत थे। वहीं विलासिता वाली वस्तुओं और अहितकर उत्पादों मसलन तंबाकू आदि पर 28 प्रतिशत के कर के अलावा अतिरिक्त उपकर भी लगाया गया। बाद में कर प्रणाली में सुधार के तहत 22 सितंबर, 2025 से नई दो-स्तरीय जीएसटी व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत अधिकांश आवश्यक वस्तुओं को पांच प्रतिशत और सामान्य वस्तुओं एवं सेवाओं को 18 प्रतिशत कर स्लैब में रखा गया।

पहले 17 प्रकार के कर तथा 13 तरह के उपकर लागू थे

एक जुलाई, 2017 को आधी रात में संसद के केंद्रीय कक्ष में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने जीएसटी की शुरुआत की थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे 'गुड एंड सिंपल टैक्स' बताते हुए कहा था कि इससे व्यापारियों और छोटे कारोबारियों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी। जीएसटी लागू करने से पहले देश में केंद्र और राज्यों के 17 प्रकार के कर तथा 13 तरह के उपकर (सेस) लागू थे।

लागू करने में जेटली की महत्वपूर्ण भूमिका रही

जीएसटी में इन्हें समाहित कर पूरे देश के लिए एक समान अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू की गई, जिससे 'एक राष्ट्र, एक कर' की अवधारणा को बल मिला। इस व्यापक सुधार को लागू करने में तत्कालीन वित्त मंत्री स्व. अरुण जेटली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने राज्यों और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाने के लिए लंबी बातचीत की थी।

पंजीकृत करदाता बढ़कर 1.6 करोड़

जेटली ने इसे दुनिया की सबसे जटिल अप्रत्यक्ष कर प्रणालियों में से एक के पुनर्गठन की बड़ी उपलब्धि बताया था। जीएसटी लागू होने के समय देश में पंजीकृत करदाताओं की संख्या करीब 66.5 लाख थी, जो वर्ष 2026 तक बढ़कर लगभग 1.6 करोड़ हो गई है। इसे अर्थव्यवस्था के तेजी से संगठित होने का संकेत माना जा रहा है।

संकट में सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियां बनीं ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने जब-जब किसी बड़े संकट का सामना किया है हर बार देश की सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे 2015 की विनाशकारी बाढ़ हो, कोविड-19 महामारी हो या फिर वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति का संकट उत्पन्न करने वाला पश्चिम एशिया का हालिया संघर्ष। विश्लेषकों और उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि हर राष्ट्रीय आपातकाल ने इस बात को और मजबूत किया है कि सरकारें देश की ऊर्जा जीवनरेखा को नियंत्रित करने वाली इन कंपनियों पर से अपनी पकड़ ढीली करने में क्यों कतराती रही हैं। दशकों से भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की अक्सर कम मुनाफे, ईंधन मूल्य निर्धारण में सरकारी हस्तक्षेप और बड़े परिचालन के लिए आलोचना की जाती रही है।

- विश्लेषकों और उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना

लॉकडाउन में बिना बाधा के काम किया

इसी तरह, कोविड-19 महामारी के दौरान देशव्यापी लॉकडाउन के बावजूद इन कंपनियों ने लगभग बिना किसी बाधा के काम किया। उन्होंने बताया कि सख्त आवाजाही प्रतिबंधों के बीच भी ईंधन स्टेशन खुले रहे, रिफाइनरियां न्यूनतम कर्मचारियों के साथ चलती रहीं, करोड़ों घरों में एलपीजी सिलेंडर पहुंचाए गए और राहत एवं चिकित्सा उड़ानों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) की आपूर्ति बनाए रखी गई।

कच्चे तेल की खरीदी में विविधता लाई

ईरान युद्ध के कारण जब कच्चे तेल के व्यापार मार्ग प्रभावित हुए और होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ीं, तो भारत की सरकारी रिफाइनरियों ने तेजी से अपने परिचालन को व्यवस्थित किया। उन्होंने पेट्रोरसायन से ध्यान हटाकर एलपीजी उत्पादन बढ़ाया, विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से कच्चे तेल की खरीद में विविधता लेकर आईं और स्थानीय स्तर पर किल्लत से बचने के लिए देश भर में ईंधन की आपूर्ति का समन्वय किया।

भारत ने 'हॉट रोल्ड स्टील' के आयात की डंपिंग रोधी जांच शुरू

नई दिल्ली। भारत ने चीन, जापान और रूस से कुछ ''हॉट रोल्ड स्टील'' उत्पादों के सस्ते आयात के खिलाफ डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय की एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। यह जांच जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू विजयनगर मेटालिक्स लिमिटेड और जिंदल स्टील ओडिशा लिमिटेड की ओर से दायर आवेदन के बाद शुरू की गई है। आवेदकों का आरोप है कि चीन, जापान और रूस से निर्यात किए जा रहे मिश्रधातु या गैर-मिश्रधातु इस्पात के ''हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पाद'' डंपिंग कीमतों पर भारत में आयात किए जा रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर नुकसान हो रहा है।

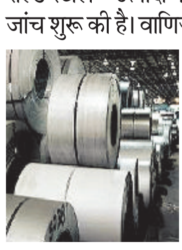

राशिफल

मेष – आज आत्मविश्वास और ऊर्जा चरम पर रहेगी। करियर में नई पहल और रचनात्मक कामों से सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं।

वृष – आदित्य मंगल योग से लाभ और तरक्की के संकेत हैं। धन आगमन प्रबल है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

मिथुन – दिन व्यस्त रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन भावनाओं पर नियंत्रण रखें। अनावश्यक खर्च न करें। प्रेम में उतार-चढ़ाव संभव।

कर्क – भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। करियर में स्थिरता रहेगी, लेकिन नई योजनाओं में सतर्कता जरूरी। धन स्थिति सामान्य। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह – आज का दिन खास रहेगा। करियर में अवसर और लाभ के मजबूत योग हैं। रचनात्मक कामों में सफलता मिलेगी। प्रेम और वैवाहिक जीवन सुखमय।

कन्या – स्वास्थ्य और दिनचर्या पर ध्यान केंद्रित रहेगा। कार्य क्षेत्र में व्यावहारिक निर्णय फायदेमंद साबित होंगे। भावनात्मक रूप से संवेदनशील रहें।

तुला – संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। पार्टनरशिप और बिजनेस में फायदा हो सकता है। करियर स्थिर, लेकिन यात्रा से थकान हो सकती है। धन स्थिति बेहतर रहेगी।

वृश्चिक – गुप्त मामलों में सावधानी बरतें। करियर में मेहनत से प्रगति होगी। धन लाभ के अवसर, लेकिन निवेश में जोखिम न लें। प्रेम संबंध गहरे होंगे।

धनु – यात्रा और उच्च शिक्षा से लाभ। करियर में नई जिम्मेदारियां आएंगी। परिवार में खुशहाली। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन थकान से बचें।

मकर – करियर और आर्थिक मामलों में स्थिरता। पुरानी योजनाएं पूरी हो सकती हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। परिवार का साथ मिलेगा। अनावश्यक बहस से बचें।

कुंभ – सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी। दोस्तों से मदद मिलेगी। करियर में छोटे बदलाव संभव। धन में वृद्धि के योग। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। वादे पूरे करें।

मीन – दैनिक कार्यों और जिम्मेदारियों में व्यस्तता रहेगी। योजना बनाकर आगे बढ़ें। धन स्थिति स्थिर, लेकिन खर्च नियंत्रित रखें। प्रेम संबंधों में संतुलन जरूरी।

'मेड इन इंडिया' सिर्फ लेबल नहीं बल्कि गुणवत्ता का प्रतीक : गोयल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि 'मेड इन इंडिया' केवल किसी उत्पाद पर अंकित लेबल नहीं, बल्कि यह गुणवत्ता के प्रति भारत की प्रतिष्ठा और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता केवल कंपनियों के प्रदर्शन का पैमाना नहीं, बल्कि देश के प्रति एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है। गोयल ने लंदन में 27 जून को आयोजित एक कारोबारी सत्र में तमिलनाडु के अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी के संस्थापक अकील अहमद पनारूना की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय उद्यमी विश्वस्तरीय विनिर्माण के जरिये 'ब्रांड इंडिया' की छवि को वैश्विक स्तर पर मजबूत कर रहे हैं। गोयल ने बताया कि एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक ने काहिरा हवाई अड्डे पर लक्जरी ब्रांड ह्यूगो बॉस का एक जूता देखा। जूते पर लगे लेबल की जांच करने पर उस पर 'मेड इन इंडिया' अंकित मिला। यह जूता अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी में तैयार किया गया था।

- गुणवत्ता के प्रति भारत की प्रतिष्ठा और प्रतिबद्धता का प्रतीक

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित किए

सोशल मीडिया पर साझा संदेश में मंत्री ने कहा कि पनारूना ने भारतीय कारीगरी को दुनिया के प्रतिष्ठित ब्रांड तक पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किया है। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने और 'जीरो लिक्विड डिस्चार्ज' जैसी पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी को अपनाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है।

समझौता 15 जुलाई से प्रभावी होगा

गोयल 25 से 27 जून तक ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर थे, जहां उन्होंने भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। यह समझौता 15 जुलाई से प्रभावी होगा। इसके तहत चमड़ा और फुटवियर जैसे श्रम-प्रधान भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी।

बीज कंपनियों के पास खरीफ के लिए अतिरिक्त भंडार उपलब्ध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की निजी बीज कंपनियों ने खरीफ फसल सत्र के लिए 20-30 प्रतिशत अतिरिक्त भंडार रखा है, लेकिन इस साल अल-नीनों के कारण मानसून के कमजोर और देरी से आने के खतरे के बीच बारिश की कमी वाले मुख्य इलाकों में समय पर बीज पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) ने यह बात कही।

एफएसआईआई के चेयरमैन अजय राणा ने कहा कि मक्का, धान और मोटे अनाज (मिलेट्स) के रिकॉर्ड बीज उत्पादन से इस वर्ष उद्योग पूरी तरह तैयार है। हाल ही में एक हजार किसानों पर किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 75 प्रतिशत किसान पहले ही बीज खरीद चुके हैं, जबकि 25 प्रतिशत किसान मानसून का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में बुवाई की अवधि समाप्त होने से पहले अतिरिक्त भंडार वाले क्षेत्रों से प्रभावित जिलों तक बीज पहुंचाना बेहद महत्वपूर्ण होगा। राणा ने कहा, ''हम आम तौर पर 15 से 20 प्रतिशत बफर रखने की योजना बनाते हैं, लेकिन इस वर्ष बेहतर उत्पादन के कारण कई कंपनियों के पास 20 से 30 प्रतिशत तक अतिरिक्त बीज उपलब्ध है। राणा ने कहा कि चुनौती बीज की उपलब्धता नहीं, बल्कि सही समय पर सही क्षेत्रों तक उसकी आपूर्ति सुनिश्चित करना है। सरकार के अनुसार, खरीफ मौसम के लिए प्रमाणित बीज की उपलब्धता 192.43 लाख क्विंटल है, जबकि आवश्यकता लगभग 173 लाख क्विंटल है।

बिलासपुर को भी मिलेगी जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क की सौगात

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के वर्तमान कार्यकाल की तृतीय आमसभा के अवसर पर मंगला स्थित रामदेव लॉन में भव्य 'सराफा महासम्मेलन 2026' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। "2 साल बेमिसाल , तीसरा साल बनेगा नई मिसाल" के दूरदर्शी संकल्प के साथ आयोजित इस महासम्मेलन में समूचे छत्तीसगढ़ राज्य से हजारों की संख्या में सराफा व्यापारी पहुंचे। कार्यक्रम का सफल संयोजन जिला बिलासपुर सराफा एसोसिएशन एवं समस्त क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री अरुण साव, उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा, बिल्हा विधायक धर्मलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पूर्व विधायक कृष्ण कुमार बांधी सहित बड़ी संख्या में सराफा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने छत्तीसगढ़ शासन का जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क की भूमि आबंटन हेतु आभार व्यक्त करते हुए जल्द ही इसे क्रियान्वित करने की बात कही। बिलासपुर में भी जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क व स्थानीय कारीगरों के संरक्षण और पारंपरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए 'स्वर्णकला बोर्ड' के तत्काल गठन की मांग की। इस पर मंच में आसीन उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बिलासपुर में जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क की फाइल तत्काल निगम कमिश्नर प्रकाश सर्वे को आगे बढ़ाने की बात कही। धारा 317 **BNS** / 411 **IPC** के दुरुपयोग को रोकने और सराफा व्यापारियों के हितों की रक्षा हेतु नियमों के सरलीकरण पर विस्तृत चर्चा होने के बाद उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने धारा 317 से जुड़े व्यापारियों के परेशानियों पर आज ही इस विषय में विभाग से चर्चा करने की बात कही हैं,जिससे सराफा व्यापारियों को व्यापार करने में किसी तरह की दिक्कत ना हो। कार्यक्रम में सराफा रत्न से संस्थापकों, पूर्व अध्यक्षों तथा सक्रिय वरिष्ठ सदस्यों सहित सभी जिले के इकाइयों का सम्मान किया गया। समापन अवसर में पहुंचे केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने जिस तरह से सराफा व्यापारियों को एकजुट किया हैं वह काफी सकारात्मक हैं। बिलासपुर के विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। व्यस्तता की वजह से कार्यक्रम में देरी हुआ लेकिन एसोसिएशन को किए अपने वादे को पूरा करने पहुंच गया। आयोजन को सफल बनाने में जिला बिलासपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कल्याण सिंह, सचिव दीपक सोनी, कोषाध्यक्ष आलोक सोनी और कार्यकारी अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय की मुख्य भूमिका रही। प्रांतीय टीम से प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी, प्रदेश सचिव प्रकाश गोलछा, प्रदेश कोषाध्यक्ष हर्षवर्धन जैन, प्रदीप घोरपड़े (चेयरमैन), संजय कुमार कानूनगो, उत्तम चंद भंडारी, मदन अग्रवाल, राजू डुग्गड, राजेश सोनी, सुनील सोनी और मीडिया प्रभारी आलोक सोनी ने पूरे कार्यक्रम का कुशल प्रबंधन किया। अंत में सभी आगंतुक अतिथियों एवं आभार प्रदर्शन के साथ इस ऐतिहासिक महासम्मेलन का समापन हुआ।

- बिलासपुर में 'सराफा महासम्मेलन 2026' का ऐतिहासिक आयोजन,
- बड़ी संख्या में प्रदेश के सराफा व्यापारी हुए शामिल,
- उप-मुख्यमंत्री की उपस्थिति में गूंजी व्यापारियों की मांगें

शब्द पहेली - 6271

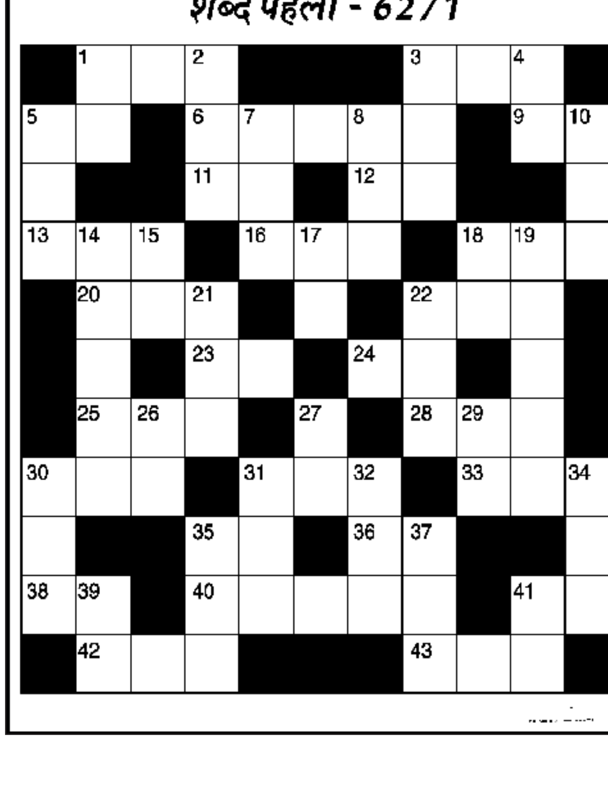

बाएँ से दाए-
1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला, जाम-2
11. टोंटी, नलका-2
12. आनंद, जूस-2
13. प्रतिज्ञा, शपथ-3
16. सिमरन, सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन, लेखनी-3
22. कमल, जलज-3
23. क्रोध, गुस्सा-2
24. पाश, फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव, प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1. उर्वरक-2
2. विशाल, श्रेष्ठ-3
3. धनवान, संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
5. दैत्य, असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार, पार लगाना-3
10. शरण, आश्रय-3
14. चूर-चूर, ढहा-5
15. टोंटी, नलका-2
17. युद्ध, संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र, दोस्त, मीत-2
27. हूर, अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष, पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर, नैहर-3
34. युक्तिवाद, पैरवी-3
35. टब, परात, तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत, तह-2
41. कदर, सम्मान-2

शब्द पहेली -6270 का हल

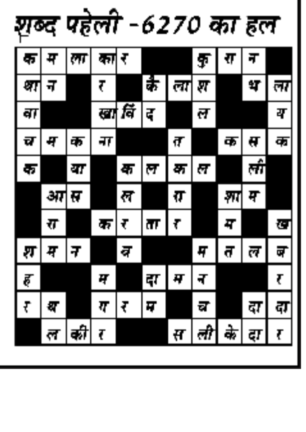

सूडोकु नवताल - 6281

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6280 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

खबर संक्षेप

युवती का हाथ पैर बांध कर खाट के नीचे छिपाया

रायपुर। आरंग थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवती के अपहरण कर उसे बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है। युवती मूल रूप से बलौदाबाजार के पलारी की रहने वाली है। वह आरंग में रहकर प्राइवेट जॉब करती है। शनिवार को वह अपनी नानी के यहां से घर लौट रही थी। इसी दौरान मंदिर हसौद थाना क्षेत्र निवासी युवक हनी उर्फ दीपक युवती की रास्ता रोककर जबरन अपने साथ ले गया। आरोप है कि उसने युवती का मुंह दबाकर उसका अपहरण किया और अपने घर ले जाकर बंधक बना लिया। पुलिस ने हनी के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने, धमकी देने तथा छेड़खानी का अपराध दर्ज किया है। आरोपी ने युवती के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, उसके दोनों हाथ पीछे बांध दिए और अपने घर के अंदर खाट के नीचे छिपाकर रखा, ताकि किसी को उसकी मौजूदगी का पता न चल सके। युवती के काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने रिश्तेदारों और आसपास के लोगों के साथ उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान हनी उर्फ दीपक पर परिजनों को युवती के अपहरण की आशंका हुई। इसके बाद परिजन उसके घर पहुंचे और तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवती घर के भीतर खाट के नीचे हाथ बंधे और मुंह में कपड़ा ठूंसे मिली। परिजनों ने तत्काल उसे मुक्त कराया और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही आरंग पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

छत्तीसगढ़ में निर्माणाधीन 1.40 लाख करोड़ रुपए की 78 केंद्रीय परियोजनाएं, सड़क और रेलवे पर सबसे बड़ा दांव

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट, सड़क, रेलवे और कोयला क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की 150 करोड़ रुपए या उससे अधिक लागत वाली 78 अवसंरचना परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इन परियोजनाओं की मूल स्वीकृत लागत 1 लाख 40 हजार,560.91 करोड़ रुपए है, जो समय के साथ बढ़कर कई परियोजनाओं में संशोधित लागत तक पहुंच चुकी है। अब तक इन पर 60 हजार 132.72 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, यानी कुल स्वीकृत लागत का करीब 42.8 प्रतिशत व्यय हुआ है। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय पोर्टल की मई 2026 की राज्यवार रिपोर्ट में सामने आई है।

आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक ध्यान सड़क, रेलवे, कोयला और ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे पर है। यह राज्य की औद्योगिक और खनिज अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की केंद्र सरकार की रणनीति को भी दर्शाता है। राज्य में सबसे अधिक 25 परियोजनाएं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की हैं। इनकी मूल लागत 22,236.94 करोड़ रुपए है, जो संशोधित होकर 23,605.50 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इन परियोजनाओं पर अब तक 8,249.98 करोड़ खर्च हुए हैं। इसके बाद रेल मंत्रालय की 19 परियोजनाएं हैं। इनकी मूल लागत 35,085.53 करोड़ रुपए थी, जो बढ़कर 39,920.60 करोड़ हो गई। इन परियोजनाओं पर अब तक 21,510.52 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। रेलवे क्षेत्र में यह सबसे अधिक संचयी व्यय है। रेल संपर्क बढ़ाने की इन परियोजनाओं का सीधा संबंध राज्य के कोयला, लौह अयस्क और इस्पात उद्योग से माना जा रहा है।

खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ में कोयला मंत्रालय की 14 परियोजनाएं चल रही हैं। इनकी लागत 34,428.39 करोड़ रुपए है और अब तक 12,754.38 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। कोयला उत्पादन बढ़ाने और परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह निवेश महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्य देश के प्रमुख कोयला उत्पादक राज्यों में शामिल है और बिजली उत्पादन के लिए इसकी भूमिका रणनीतिक है। बिजली मंत्रालय की दो परियोजनाओं की मूल लागत 25,321 करोड़ रुपए है, जो बढ़कर 25,897 करोड़ रुपए हो गई है। इन पर 6,692.33 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इस्पात क्षेत्र में छह परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें एक धातु एवं खनन तथा पांच स्टील क्षेत्र की परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों को मिलाकर इनकी संशोधित लागत 11,456.59 करोड़ रुपए है और अब तक 6,388.31 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। यह निवेश राज्य के इस्पात उद्योग और औद्योगिक कॉरिडोर के विस्तार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और दूरसंचार में भी निवेश

उच्च शिक्षा की 1 परियोजना (1,188.97 करोड़ रुपए) दूरसंचार की 3 परियोजनाएं (7,147.17 करोड़ रुपए) जल संसाधन की 2 परियोजनाएं (842.26 करोड़ रुपए) स्वास्थ्य क्षेत्र की 3 परियोजनाएं (975 करोड़ रुपए) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस की 2 परियोजनाएं (2,769.04 करोड़ रुपए) हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और जल संसाधन प्रबंधन को मजबूत करना है।

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल का ढांचा कांग्रेस शासन में खड़ा हुआ था

किराये के हॉस्टल पर 35 लाख खर्च, फिर भी ढांचे का काम एक इंच भी नहीं सरका

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

एमबीबीएस के छात्रों के लिए नेहरू मेडिकल कॉलेज में हॉस्टल बनाने का काम इंच भर आगे नहीं बढ़ पाया है। कालेज परिसर में खड़े इमारत के ढांचे को भवन की शक्ल देने करीब नौ महीने पहले 61.39 करोड़ की घोषणा हुई थी, इसके बाद भी काम शुरू नहीं हो पाया है। इधर हंगामे के बाद अस्थायी रूप से उपलब्ध कराए गए हॉस्टल पर कालेज प्रबंधन करीब 35 लाख रुपए खर्च कर चुका है। यहां छात्रों के लिए 200 सीटर हॉस्टल बनाने की योजना पर काम शुरू किया गया था।

पं. जवाहरलाल नेहरू समृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आवास समस्या पर आवाज बुलंद होने के बाद यहां हॉस्टल बनाने के राशि की घोषणा सितंबर माह में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। इस दौरान यह माना जा रहा था कि कांग्रेस शासनकाल में स्ट्रक्चर खड़ा होने के बाद अधूरा पड़ा हॉस्टल का काम पूरा होगा और एमबीबीएस के करीब 200 छात्रों को आवास सुविधा मिल जाएगी। कुछ समय बाद भवन निर्माण के लिए राशि को प्रशासकीय स्वीकृति भी मिल गई थी। करीब नौ महीने बीतने के बाद हॉस्टल बनाने का काम अब तक शुरू नहीं हुआ है। सालों से आधा-अधूरा खड़ा भवन अब जर्जर होने की स्थिति में आ गया है। इधर हॉस्टल नहीं होने की वजह से चिकित्सा छात्रों की परेशानी का मामला जोरों से उठने के बाद कालेज प्रबंधन ने शांति नगर इलाके किराए के भवन की व्यवस्था की है जिस पर हर महीने पांच लाख के हिसाब से सात महीने में 35 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं। जानकारों का कहना है कि कालेज परिसर में हॉस्टल बनाना अति आवश्यक है क्योंकि यह किसी भी शिक्षण संस्थान की मूलभूत सुविधाओं में आता है।

पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पुराने हास्टल भवन के जर्जर होने के बाद छात्रों को वन विभाग से वापस मिली जमीन पर ने कार्यालयों में आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी। इसके बाद कांग्रेस शासनकाल में रिक्त जमीन पर हास्टल बनाने का काम शुरू किया गया था। भवन का स्ट्रक्चर तैयार होने के बाद उसमें स्टॉफ क्वार्टर बनाने की जरूरत महसूस हुई। इससे भवन निर्माण की लागत बढ़ गई थी। योजना पर काम चल रहा था कि कोरोना आ गया है और काम रुक गया था। तब से भवन के पिल्हर उसी हालत में खड़े हुए हैं। जानकारों की माने तो हॉस्टल के रूप में तीस फीसदी काम हो चुका है। सूत्रों की मानें तो राज्य के तमाम चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सा छात्रों के आवास की समस्या बड़ी दिक्कत बनी हुई है। एक आंकड़ों के अनुसार राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में करीब 3600 चिकित्सा छात्र आवास की परेशानी झेल रहे हैं। इनमें रायपुर चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। यहां यूजी के साथ पीजी करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी हॉस्टल का इंतजाम पर्याप्त नहीं है।

रैंकिंग में पिछड़ रहा

किसी भी शिक्षण संस्थान की मूलभूत सुविधाओं में हॉस्टल शामिल होता है। प्रदेश के सबसे पुराने चिकित्सा महाविद्यालय में यूजी-पीजी की सीटें बढ़ी हैं, मगर सुविधाएं बरसों पुरानी हैं। मेडिकल कालेज रायपुर कभी देश के टॉप 10 रैंकिंग में शामिल था्र जो अब 500 में भी नहीं है।

- डॉ. कुलदीप सोलंकी, अध्यक्ष आईएमए एवं संयोजक छग सिविल सोसायटी

महीनेभर में काम शुरू होने का दावा

राशि स्वीकृत होने के बाद हॉस्टल निर्माण का काम महीनेभर में शुरू किए जाने के दावे किए गए थे। काम अब जाकर शुरू किए जाने की तैयारी है। शिक्षण संस्थान में छात्रों के लिए आवास सुविधा होना अनिवार्य है।

- डा. राकेश गुप्ता, अध्यक्ष, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ

जुलाई से शुरू होगा काम

200 सीटर हॉस्टल के साथ स्टॉफ के लिए 2 बीएचके-3 बीएचके क्वार्टर बनाने का काम 1 जुलाई से प्रारंभ किया जाएगा। इसके अलावा गर्ल्स हॉस्टल और कैंसर भवन के जी-6 का काम भी शुरू होगा।

- डॉ. विवेक चौधरी, डीन, शासकीय मेडिकल कॉलेज रायपुर

विवादों के बीच छग युकां प्रभारी पठानिया हटाए गए, डॉ. स्मृति को मिली जिम्मेदारी

26 जून को जारी स्टार परफॉर्मर की सूची पर डॉ. स्मृति रंजन के हस्ताक्षर से जारी होने के बाद पुष्टि, परिसीमन विवाद के बाद टला था नामांकन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव हुआ है। युकां प्रभारी अमित पठानिया को हटाकर उनकी जगह डॉ. स्मृति रंजन लेंका को प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उल्लेखनीय है कि युवा कांग्रेस संगठन चुनाव की तैयारियां चल रही हैं, इस बीच अचानक बदलाव से पार्टी में खलबली मच गई। संगठन में बदलाव को लेकर कांग्रेस ने अधिकारिक घोषणा कर दी है। प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा ने पोस्ट कर इसकी सूचना दी है। 26 जून को जारी स्टार परफॉर्मर की सूची डॉ. स्मृति रंजन लेंका के हस्ताक्षर से जारी होने के बाद बदलाव की पुष्टि मानी जा रही है।

अमित पठानिया के कार्यकाल के दौरान युवा कांग्रेस में कई बार मतभेद खुलकर सामने आए। संगठन चुनाव, पदाधिकारियों की नियुक्ति और कार्यशैली को लेकर कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई थी। इन विवादों का असर प्रदेश संगठन की सक्रियता पर भी दिखाई दिया। ऐसे में राष्ट्रीय नेतृत्व ने अब नई जिम्मेदारी डॉ. स्मृति रंजन लेंका को सौंपकर साफ संकेत दिया है कि संगठन को नए सिरे से मजबूत करने की तैयारी है। यूथ कांग्रेस चुनाव की घोषणा 24 मई को की गई थी। इसके तहत ब्लॉक, जिला और प्रदेश स्तर पर नई टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू होनी थी, लेकिन परिसीमन को लेकर उठे विवाद के बाद नामांकन प्रक्रिया को 15 जून तक स्थगित करना पड़ा था। हाल ही में जारी स्टार परफॉर्मर की सूची को लेकर सोशल मीडिया पर कई कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई थी। संगठन के अंदर चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे थे।

लगातार आ रहीं शिकायतें

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के चुनाव को लेकर लगातार विवाद और अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में संगठन में बदलाव को लेकर कांग्रेस का बड़ा कदम माना जा रहा है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद से ही परिसीमन को लेकर संगठन के भीतर नाराजगी देखने को मिली थी। बढ़ते विवाद के बीच नामांकन प्रक्रिया को भी स्थगित करना पड़ा था। वहीं अब हाल ही में जारी स्टार परफॉर्मर की सूची को लेकर सोशल मीडिया पर कई कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई थी। संगठन के अंदर चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे थे।

शिकायतों के बाद बदलाव !

युवा कांग्रेस चुनाव के बीच प्रभारी बदलने को संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों और संगठन के भीतर बढ़ते असंतोष से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि पार्टी ने अभी तक अमित पठानिया को हटाने और डॉ. स्मृति रंजन लेंका को जिम्मेदारी सौंपने को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

निवेशकों की नहीं...

कम हुए। जहां तक चांदी का सवाल है तो चांदी के दाम सोमवार को दो लाख 45 हजार थे, इसके दाम कम होकर 230600 रुपए हो गए हैं। यानी चांदी के दाम 14400 रुपए कम हुए हैं। चांदी के आयात पर वैसे भी प्रतिबंध के कारण इसकी डिमांड कम हो गई है, लेकिन अब दाम कम होने के कारण कारोबार थोड़ा सा पटरी पर लौटा है।

रक्षा और समुद्री...

भागीदारी को दर्शाते हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इन परिणामों में प्रत्यर्पण संधि, बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग संबंधी समझौता, सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने का समझौता, एक्सपोर्ट-इंपोर्ट बैंक ऑफ इंडिया (एक्ज़िम बैंक) के साथ एक व्यापक ऋण सुविधा समझौता तथा नए सेशेल्स राष्ट्रीय अस्पताल की प्रारंभिक तैयारियों से संबंधित समझौता शामिल हैं। दोनों देशों ने सेशेल्स को एक तेज गश्ती पोत उपहार में देने, सेशेल्स रक्षा बल को 10 यूटिलिटी वाहन और पांच लेजर रेडियल श्रेणी की नौकाएं सौंपने, सेशेल्स कोस्ट गार्ड के पोत 'पीएस जोरोस्टर' के पुनर्निर्माण कार्य के पूरा होने तथा डोर्नियर विमान को आधुनिक ग्लास कॉकपिट प्रणाली से उन्नत करने की भी घोषणा की। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में बताया कि अन्य विकासात्मक पहलों के तहत छह एम्बुलेंस, 500 मीट्रिक टन चावल और 8,500 मीट्रिक टन सीमेंट सेशेल्स को सौंपा गया। साथ ही भारत-सेशेल्स राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक लोगो जारी किया गया तथा व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा केंद्र की आधारशिला का डिजिटल माध्यम से समारोह आयोजित किया गया। दोनों देशों ने नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और सेशेल्स के केंद्रीय बैंक के बीच एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा देना और आर्थिक व तकनीकी सहयोग को और मजबूत करना है।

सर्पदंश से नानी-...

के फूफंदीपारा निवासी 8 वर्षीय करिश्मा शुक्रवार को कोटागहना निवासी अपनी नानी नंदी पति सोला (56 वर्ष) के घर आई हुई थी। शनिवार रात दोनों घर के कमरे में जमीन पर सो रहे थे। रात लगभग 11 बजे एक जहरीले सांप ने पहले मासूम करिश्मा को डस लिया। सांप के डसने से बच्ची रोने लगी तो बगल में सो रही नानी बच्ची को बचाने और सांप को हटाने के प्रयास करने लगी तभी सांप ने नानी नंदी को भी सांप ने काट लिया। बच्ची की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने बालिका की हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। परिजन इलाज के लिए बालिका को लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में चंद्रगढ़ के समीप तड़के करीब 4 बजे उसकी मौत हो गई। इधर नानी नंदी की घर पर ही तड़के करीब 3 बजे मौत हो गई थी।

30 वर्ष से अधिक...

काउंसिलिंग के शुरुआती चरणों में पीईटी प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश देने के पश्चात अंतिम चरणों में बारहवीं के आधार पर भी प्रवेश दिए गए। अब आयु सीमा को भी समाप्त कर दिया गया है, ताकि अधिक से अधिक छात्र प्रवेश ले सकें। गौरतलब है कि इंजीनियरिंग जैसे प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के इतर बीए, बीकॉम, बीएससी जैसे परंपरागत पाठ्यक्रमों में नियमित दाखिले के लिए आयु बाध्यता पहले ही समाप्त की जा चुकी है।

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की काउंसिलिंग प्रारंभ -

इंजीनियरिंग के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग पहले ही प्रारंभ हो चुकी है। डिग्री पाठ्यक्रम के लिए फिलहाल दो चरण का ही शेड्यूल जारी किया गया है। प्रत्येक चरण की काउंसिलिंग में हिस्सा लेने के लिए पृथक-पृथक रूप से से आवेदन करना होगा। वहीं संस्थागत स्तर पर होने वाली काउंसिलिंग के दौरान कैंडिडेट्स किसी एक ही संस्था का चुनाव कर सकेंगे, जबकि अन्य चरण में उन्हें अधिक विकल्प दर्ज करने की सुविधा होगी।

सैर पर निकले...

वर्षीय संतु यादव भारत माला सड़क के किनारे टहल रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आते वाहन ने कोरबी के पास तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर वाहन समेत चालक फरार हो गया। ग्रामीणों को जब घटना की जानकारी मिली तो मौके पर भीड़ जुट गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया, जहाँ से पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध कायम कर पतासाजी में जुट गई है।

उल्लेखनीय है कि बलौदा से होकर गुजरे भारत माला परियोजना की सड़क का निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में इस मार्ग पर खतरा बना हुआ है। कुछ दिन पहले भी बलौदा से कोरबा के बीच एक बड़ा हादसा हुआ था। उरगा मार्ग में ग्राम मुड़ाभाठा के पास 14 जून की रात पिकअप वाहन और ट्रेलर के बीच भिड़ंत हुई थी। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि पिकअप वाहन का अगला हिस्सा और केबिन पूरी तरह पिचक गया, जिससे उसमें सवार लोग भीतर ही बुरी तरह फंस गए। ग्रामीणों की सूचना पर बलौदा पुलिस ने मौके पर पहुंच कर गैस कटर की मदद से केबिन को काटकर वाहन में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला था। इस हादसे में दो युवकों की मौत हुई थी।

वाहनों के प्रवेश प्रतिबंध के लिए किया जा चुका है पत्राचार-

यातायात पुलिस द्वारा बलौदा थाना क्षेत्र से गुजरने वाले निर्माणाधीन भारतमाला मार्ग पर वाहनों के प्रवेश प्रतिबंध के लिए पत्राचार किया जा चुका है। सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए भारतमाला परियोजना के परियोजना निदेशक कोरबा को पूर्व में ही पत्र प्रेषित किया जा चुका है। निर्माण कार्य जारी रहने के कारण मार्ग पर वाहन संचालन अत्यंत जोखिमपूर्ण बना हुआ है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। ऐसे में यातायात पुलिस ने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से सुरक्षा के लिए निर्माणाधीन भारतमाला मार्ग का उपयोग न करने की अपील की है।

अधूरा है का...

रहे थे, लेकिन सड़क खाली होने के कारण तेज रफ्तार से आ रहा वाहन अनियंत्रित हो गया और तीनों को अपनी चपेट में ले लिया।

जीवन अध्यात्म की...

संबंधित है वहां जाने लगी। और वहां हमारे गुरुदेव, जो लखमू बाबा के नाम से प्रसिद्ध थे, उन्होंने हमको आध्यात्मिक जीवन की बातें बताना प्रारंभ किया। जब धीरे-धीरे हम बड़े होने लगे, तब हमारे मन में भी ऐसा होने लगा कि हमारे गुरु जो इस प्रकार से मार्गदर्शन करते हैं, हम भी कहीं जाएं तो हम क्या कर सकते हैं? ऐसा हमारे जीवन में एक प्रकार का रास्ता ढूंढने की इच्छा जागृत हुई।

0 गुरुजी आपको? साध्वी बनाना चाहते थे या समाज सेवा में लगाना चाहते थे? साध्वी तो आप बनी नहीं, पर समाज के लिए आपने अपना जीवन लगा दिया।

00 हमारे गुरुदेव ने कहा था, आपको यहां गुरुकुल में शिक्षा पाना है, और आप आध्यात्मिक जीवन में भी बहुत बड़ा काम कर सकती हैं। दूसरा यह है कि आप यहां रहकर भी समाज का काम कर सकती हैं।

0 आपको क्या भाया? अकेले में बैठकर भगवान का भजन करना या लोगों के बीच जाकर उनके जीवन में परिवर्तन लाने की कोशिश करना?

00 मुझे लगा कि मुझे आध्यात्मिक जीवन से सामाजिक जीवन में आकर काम करना चाहिए। हजारों बहनों को रास्ता बताना चाहिए और हजारों लोगों को अपनी आगे की पीढ़ी में जाने के लिए हम कैसे मार्गदर्शन कर सकते हैं, यह बात मेरे मन में बचपन से ही आई।

0 आपने बताया, हजारों बहनों के जीवन में शिक्षा का कोई स्थान ही नहीं था, यह देखकर आपको लगा कि इनके जीवन में शिक्षा की जगह बनानी चाहिए। पर आप खुद कितनी पढ़ाई कर पाईं?

0 हमने पहले पांचवीं, 8वीं और फिर दसवीं का पेपर दिया, पास हो गए। हम कभी स्कूल नहीं गए। मेरे जैसी बहनें हैं, उनके लिए कौन करेगा? हम करेंगे। ऐसा सोच के बहनों को लाने के लिए लगभग 555 गांवों की पैदल यात्रा की पूरे दक्षिण बस्तर, सब जगह। तो उसमें से 15, 20 साल, 35 साल, 40 साल की बहनों को लाकर हमने साक्षरता में चालू की। उनके साथ-साथ सिलाई है, बुनाई है, पढ़ाई है, ऐसा करके 500 से ऊपर बहनों को साक्षर बनाया। आठवीं, नौवीं, दसवीं, बारहवीं, आगे बढ़ते गए और उनको हिम्मत आई कि हम बहुत पढ़ सकते हैं। आज भी कई नर्स में हैं, कई और शिक्षित में हैं, कोई पुलिस विभाग में हैं; हर विभाग में आपको ऐसी बहनें मिलेंगी।

0 आरएसएस की राष्ट्रीय सेविका समिति से प्रशिक्षित होकर फिर अपने जीवन को समाज के लिए अर्पित किया? कॉलेज की पढ़ाई आपने नहीं की?

00 नहीं, कॉलेज की तो मैं नहीं कर पाई। क्योंकि मैं इतना समाज में काम में, इतना रम गई। छोटे-छोटे बच्चे हैं, जो गाय चराते हैं, या या कोई दूसरा काम करते हैं। ऐसे बच्चों के लिए बाल संस्कार केंद्र चालू किया। एक-एक केंद्र में 70-80 बच्चे आते थे। 10:00 बजे से 3:00 बजे तक उनके लिए समय देती थी और 4:00 बजे रिटर्न आती थी जहां छात्रावास होता है, वहां रुकती थी। ऐसे बच्चों को 4 से 5 साल तक तैयार करते है, और 6 साल में उनको शासकीय विद्यालय में, वहां पहुँचाते रहे। ऐसा संख्या बढ़ते गई।

00 आपने छात्रावास भी तैयार किए, बालवाड़ी कह सकते हैं इसको, संकुल जो आप बता रही थी छात्र संकुल। पैसे कहां से आए?

00 जन सहयोग से यह सब चल रहा है। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम को यही सिखाया कि सहयोग से कैसे चलना चाहिए।

0 किस तरह की चुनौतियां थी काम करते वक्त?

00 फील्ड में जो काम करते हैं, आपको पानी पीने से लेकर खाना खाने तक की, जैसे उस समय तक हैंडपंप नहीं होता था 1986 में। झरने से, गड्ढा से पानी लेकर आते थे, ऐसे ही पीया जाता था। किसी की मौत भी होती थी, किसी को उल्टी-दस्त होता था। हमने उनके बीच में जाकर के एक महिलाओं के लिए विशेष करके मातृशक्ति सम्मेलन है, जागृति शिविर है, ऐसा सब लोगों को बुला करके हमने उनको साफ-सफाई में बताते थे। पानी लाना है, छान के लाना है; पानी गरम करके पीना है; और हाथ अच्छा से, सच्चाई से धोके खाना-पीना करना है। फिर हमारे पास जो मिलता है, हमारे शरीर में कमजोरी है, हम उसको अंकुरित करके उसको खाया जाना चाहिए, पौष्टिक चीज खाना है। दाल खाना है; पपीता खाना है; और हमें स्वस्थ कैसे रहना। जंगल के जो प्रकृति से जो बना है, तो उसके जैसा पौष्टिक कहीं भी नहीं है। हम उसके बारे में उनको पूरा जानकारी देते थे। दूसरा है कि हमारे पास ही कई लोग आते हैं पीलिया का बीमारी है, आपका कभी सांप काटता है, कभी सिर दर्द होता है; ऐसी कई बीमार को लेकर आते हैं। तो हमारी बहनें हैं। सब काम करती हैं।

0 आपने कॉलेज की पढ़ाई तो की नहीं, पर जब आपका नाम लिखा जाता है तो उसके आगे डॉक्टर लिखा रहता है। यह डॉक्टर कहां से आ गया?

00 हमने समाज के बीच में काम किए, उसके कारण डॉक्टर का उपलब्धि मिली है। पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय से सामाजिक कामों को देखकर दी गई है।

राममंदिर केस पर...

दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहे। उन्होंने जाने से पहले एयरपोर्ट पर चर्चा में कई सवालों के जवाब भी दिए। लोगों को धर्म और सनातन से जोड़ने के लिए प्रयास के बाद भी परिवार एवं समाज में बढ़ते हिंसा को लेकर कहा कि लोगों का धर्म और सनातन से जुड़ने की वजह जरूरत है। लेकिन परिवार और समाज में महिलाओं से किस तरह से आदर भाव होना चाहिए। यह संस्कार माता-पिता बच्चों को नहीं दे रहे है। इससे परिवार और समाज में कलह की स्थिति बन रही है। सोशल मीडिया भी इसके लिए बड़ी वजह है। अब संस्कार केन्द्र खोलने और बच्चों को उससे जोड़ने का प्रयास जरूरी है।मैने देश में 40 संस्कार केन्द्र स्थापित किए हैं, आगे 108 केन्द्र शुरू करने का संकल्प है, इसके लिए प्रयास किया जा रहा है।

चढ़ावा चोरी के...

की एक अदालत ने दो दिन पहले सभी आठ आरोपियों को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अदालत में सोमवार को पेशी के दौरान पुलिस उनकी रिमांड का अनुरोध कर सकती है। गिरफ्तार आरोपियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रामशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर उर्फ टिन्नू यादव की ड्यूटी राम मंदिर में दान के रूप में प्राप्त नकदी और कीमती चीजों की गिनती से संबंधित कार्य में थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जांचकर्ताओं ने अब तक 79.85 लाख रुपये बरामद किए हैं। मामला भारतीय न्याय संहिता की चोरी, नौकर द्वारा चोरी, आपराधिक न्यासभंग, चोरी का माल रखने और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित धाराओं के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। यह प्राथमिकी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट की सिफारिश पर दर्ज की गई थी। इस महीने की शुरुआत में चढ़ावे के कथित गबन के आरोप सामने आने के बाद राज्य सरकार ने 13 जून को एसआईटी का गठन किया था।

दीवार ढहने से...

ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर बच्चियों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। प्रारंभिक जांच में दीवार के अत्यधिक जर्जर होने के कारण उसके ढहने की आशंका जताई गई है।

मोदी सरकार के...

किया जाएगा। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पदाधिकारियों की सूची को अंतिम रूप दे चुका है और 'नितिन नवीन की टीम' की घोषणा जल्द होने की संभावना है। पार्टी के युवा चेहरों को संगठन में प्रमुख पदों की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा अध्यक्ष ने पिछले सप्ताह कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ भी विचार-विमर्श किया था। इस बात की प्रबल संभावना है कि कुछ केंद्रीय मंत्रियों को भाजपा में संगठनात्मक भूमिकाएं संभालने के लिए भेजा जाएगा और पार्टी के पदाधिकारियों को मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जाने की भी अटकलें हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में अनियमितताओं सहित मंत्रालय से जुड़े कई विवादों के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। सूत्रों ने संकेत दिया कि अगर फेरबदल होता है तो यह जुलाई में कभी भी हो सकता है। संसद का मानसून सत्र आम तौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है। मंत्रिमंडल में फेरबदल की तारीख प्रधानमंत्री के व्यस्त कार्यक्रम को ध्यान में रखकर तय किए जाने की संभावना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके छह से 11 जुलाई के बीच इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाने की भी संभावना है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का भी एक से तीन जुलाई तक नयी दिल्ली की यात्रा का कार्यक्रम है। सूत्रों के अनुसार, सरकार के शीर्ष अधिकारियों के बीच यह राय प्रबल हो रही है कि अहम मंत्रालयों में नए चेहरों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा क्षेत्रीय, राज्यवार, जातीय और राजनीतिक निष्ठा से जुड़े समीकरणों को ध्यान में रखकर मंत्रिपरिषद में संतुलन बनाने की राजनीतिक मजबूरियां भी हैं। दो केंद्रीय मंत्रियों पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को क्रमशः भाजपा की उत्तर प्रदेश और दिल्ली इकाई की जिम्मेदारी पहले ही दी जा चुकी है। इस बात की प्रबल संभावना है कि भाजपा 'एक व्यक्ति, एक पद' के अपने नियम का पालन करेगी जिसके कारण दोनों को सरकार से हटना पड़ सकता है।

दो अन्य केंद्रीय मंत्रियों जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू को हाल में संपन्न राज्यसभा चुनावों के लिए भाजपा ने दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया। उच्च सदन में उनका कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो गया। कुरियन अपने पद से पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं जबकि बिट्टू अब भी मंत्री हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि शीर्ष नेतृत्व ने बिट्टू को आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। कांग्रेस के पूर्व नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू प्रभावशाली जाट सिख समुदाय का प्रमुख चेहरा हैं।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे है? चेहरे पर मुँहासे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-आयुर्वेद दवा कम्पनी में कार्य करने के लिए दो सेल्समैन की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- 6265849168, 8770228150 (41279)

आवश्यकता है-(1) बीएससी नर्सिंग-4पद (2) मार्केटिंग मैनेजर-1पद (3) कम्प्यूटर ऑपरेटर+ एकाउंटेंट-1पद (4) गार्ड (ड्यूटी) (5) ड्यूटी डॉक्टर चाहिए सम्पर्क करें-सांई बाबा हॉस्पिटल, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 9827150429 (41244)

आवश्यकता है-पाई टाईम फील्ड कार्य हेतु 2 स्थानीय युवकों की योग्यता 8वीं, वेतन योग्यतानुसार। स्वयं का वाहन अनिवार्य सम्पर्क करें- थायरोकेयर (शेख असलम) देवकीनन्दन स्कूल के सामने तिलक नगर बिलासपुर 9669777917 (41268)

आवश्यकता है-लुब्रिकेन्ट ऑयल हेतु सेल्स ऑफिसर वेतन- 10000 से 20000 एवं टेलीकालर (फीमेल) वेतन 8000 से 15000 चाहिए पता- प्लस आटोमोबाइल शीतला माता मन्दिर के पास, शारदा मन्दिर के सामने, तारबाहर (41255)

आवश्यकता है-ई-रिक्शा प्रचार में चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है फिक्स सैलरी इच्छुक युवक, युवती सम्पर्क करें-अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177 (764)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा 18 से 42 सैलरी- 26500 से 45500 आवेदन हेतु-मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्स एप/ कॉल करे-84004 06891 (102)

आवश्यकता है-कपड़े की दुकान से कार्य करने हेतु अनुभवी और बिलासपुर निवासी हेल्पर एवं सेल्समैन लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नेमा कम्पनी, सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827104451 (41278)

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेंसी में सुपरवाईजर, बैटरी रिक्शा ड्राईवर इलेक्ट्रीशियन फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लड़के एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- सी-15, ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 6264550163, 96855 42250, 7049098581 (41272)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30वर्ष वेतन 12000+कमीशन+बोनस के साथ 20000 रहना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 78800 03160, 7880003190 (528)

आवश्यकता है-सोशल मीडिया रील्स, वीडियो एडिटिंग एवं फील्ड मार्केटिंग कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता सम्पर्क करें- दीक्षित कॉलोनी नेहरू चौक बिलासपुर 9303079100 9479132382 (41276)

आवश्यकता है-बिलासपुर राजकिशोर नगर में लॉन्ड्री दुकान में कपड़ा धुलाई, प्रेस, ड्राइक्लीन का काम करने हेतु युवक, युवती चाहिए पास में रहने वाले को प्राथमिकता दी जाएगी। सम्पर्क करें- 91673 66183 (41267)

आवश्यकता है-ऑफिस मैनेजमेन्ट के लिए लड़की (सुशिक्षित एवं कम्प्यूटर अनुभवी) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री बालाजी कंस्ट्रक्शनस होटल अजीत के पीछे तेलीपारा बिलासपुर 7974086925, 99079 25045 (41277)

आवश्यकता है-नया अस्पताल श्रीराम हॉस्पिटल उस्लापुर नेचर सिटी मेन रोड के लिए चिकित्सक एवं फार्मासिस्ट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, रिटायर्ड व्यक्ति को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 6264218005 (बारिक) (41260)

आवश्यकता है-रियल स्टेट कम्पनी में कार्य करने हेतु युवक, युवतियों, गृहिणियों की तत्काल आवश्यकत है फ्रेशर एवं अनुभवी को प्राथमिकता शानदार इनसेंटिव सम्पर्क करें-9302652734, 79873 74690 (41265)

आवश्यकता है-स्पंज आयरन प्लांटों को हीटिंग साईकल हेतु छत्तीसगढ़ लेवल पर सर्विसेज देने हेतु Jainaveer limited को 5साल+ अनुभवी फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, डिग्री धारी आदि की आवश्यकता है सम्पर्क-9090207009, 7828827710(530)

आवश्यकता है-रायपुर में नवजात शिशु एवं माता की देखभाल हेतु 30 से 45वर्ष आयु की अनुभवी महिला की आवश्यकता है वेतन 15000 से 20000 रहना खाना फ्री। सम्पर्क करें- 9244664654 9109511248 (41259)

आवश्यकता है-दुकान में कम्प्यूटर द्वारा BUSY में एवं अन्य कार्य करने हेतु कार्य कर्ताओं की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज पेन्ट पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 98271 67987, 9300617113 (41273)

आवश्यकता है-गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान विषय पढ़ाने हेतु शिक्षकों और एक बस ड्राइवर आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सीतादेवी उच्चतर माध्यमिक शाला नेवसा, बेलतरा बिलासपुर 8827019748, 9713309613 (1497)

आवश्यकता है-श्री गायत्री गर्ल्स हॉस्टल पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर में ड्राइवर, मेस स्टाफ, वॉर्डन एवं गन मैन की आवश्यकता है रहने खाने की सुविधा, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9302312463, 93023 12528 (41266)

आवश्यकता है-बीमा अभिकर्ता बनिए योग्यता 10वीं युवक, युवती हेतु प्रतिमाह मानदेय, आकर्षक कमीशन फुल टाइम/ पार्ट टाइम करियर बनाइये सम्पर्क करें- ध्रुव अग्रवाल ए-101 सियाराम अपार्टमेंट, मुंगेली रोड बिलासपुर 79871 65126, 9424143077 (759)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर उज्जैन इंदौर उदयपुर मे रहकर काम कर सके सैलरी 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ महीना 25000 कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट सम्पर्क करें-7777800422 9993044523 (366)

आवश्यकता है-बिलासपुर की रियल एस्टेट कम्पनी में कार ड्राइवर पद- 2 की आवश्यकता है अनुभव- ऑटोमेटिक कार चलाने का 7वर्ष से अधिक का अनुभव, नशा मुक्त, वेतन- योग्यता अनुसार अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- 7610320000, 7049810000 (41252)

आवश्यकता है-झाड़ पोछा, साफ सफाई, वेटर कार्य हेतु 18वर्ष से ऊपर के मेहनती लड़के चाहिए वेतन 10000 से 12000 ग्रामीणों को रहना खाना निशुल्क पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 94063 90898 (41225)

बेचना

बेचना है-अभिलाषा परिसर तिफरा में 1BHK का फ्लैट, सुभाष कॉम्प्लेक्स जरहाभाठा में 3BHK का फ्लैट और बंधवापारा सरकंडा में 2BHK का मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 7999415807 (41263)

बेचना है-सकरी मेन रोड पूर्ण विकसित सागर होम्स 33×55 डबल रोड प्लॉट, गीतांजली सिटी फेस-II, 30×50 दो प्लॉट, मेंड्रा, सैदा, घुरू मेन चौक, ट्रिपल रोड, 32×100, दो डायवर्टेड कमर्शियल सम्पर्क- 98271 64787 (41253)

बेचना है-बिरकोना रोड, अशोक नगर, सरकंडा में, 2328 वर्गफुट 3375600/- में, 900 वर्गफुट 1125000/- में,800 वर्गफुट 1000000/- में एवं मानस विहार बंधवापारा में 2205 वर्गफुट 3530000/- में सम्पर्क करें- 7489846536(41269)

बेचना है-4BHK, 4लेटबाथ 2मंजिला नया लक्जरियस मकान 1525 वर्गफीट दो कार पार्किंग गार्डन वॉश एरिया पोर्च, रघु विहार अशोक नगर सरकंडा, 2BHK फर्स्ट फ्लोर फ्लैट विजया रीजेंसी, विजयापुरम, सरकंडा सम्पर्क- 97520 11980 (41228)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है-नया डुप्लेक्स मकान 3 कमरे, 2 हॉल, 3 लेटबाथ, रसोई बालकनी, कार पार्किंग सुविधा पता- नारायणी टावर के पीछे, गणपति चौक के पास हेमू नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 9098251177, 91444 46663 (1498)

बेचना है-TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेन्दरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 78983 18935 (41254)

किराया

किराया- कोचिंग सेन्टर, ऑफिस हेतु 2 बड़े हॉल (जिसमें एल्यूमिनियम पार्टीशन है) सेकेण्ड, थर्ड फ्लोर किराए से देना है पार्किंग सुविधा। जरहाभाठा राजीव गांधी चौक के पास बेस्ट लोकेशन। सम्पर्क- 9755166777 (763)

किराया-2400 वर्गफुट सर्व सुविधायुक्त हॉल एवं रूम किराये से देना है रिंग रोड नं- 2, अमेरी चौक, रानी सती मंदिर उमंग हॉस्पिटल के सामने एंजल प्लाजा में। सम्पर्क करें- 9826166998, 7804010995 (41264)

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन प्रकाशित किया जायेगा।

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवायें।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मेस्सी का 'मैजिक', लगातार 7 विश्व कप में गोल करने वाले दुनिया के बने पहले खिलाड़ी

मेस्सी ने 19वें गोल के साथ विश्व कप में फिर बनाया नया रिकॉर्ड

ग्रुप चरण के अंतिम मैच जॉर्डन पर अर्जेंटीना की 3-1 से जीत

एजेंसी ▶▶| अर्लिंग्टन

लियोनेल मेस्सी का विश्व कप में रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला जारी है और अब वह विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर लगातार सात मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

इस स्टार स्ट्राइकर ने अर्जेंटीना की जॉर्डन के खिलाफ ग्रुप चरण के अंतिम मैच में 3-1 से जीत के दौरान अपना 19वां गोल करके विश्व कप में सर्वाधिक गोल के अपने रिकार्ड को भी आगे बढ़ाया। अर्जेंटीना के सुपरस्टार ने दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आकर यह कारनामा किया।

फ्री किक से किया 72वां गोल

39 साल के होने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे मेस्सी ने 80वें मिनट में पेनल्टी बॉक्स के ठीक बाहर गिराए जाने के बाद फ्री किक पर गोल किया। घास की सतह से थोड़ा ऊपर उठी उनकी नीची किक जॉर्डन के दो डिफेंडरों को भेदकर दनदनाती हुई नेट के बाएं कोने में चली गई। इससे पहले मेस्सी फ्रांस के स्ट्राइकर जस्ट फॉन्टेन और ब्राजील के महान खिलाड़ी जैरजिन्हो के साथ विश्व कप के लगातार छह मैचों में गोल करने वाले केवल तीन खिलाड़ियों में से एक थे। यह उनके करियर का फ्री किक पर किया गया 72वां गोल था। इनमें से 12 गोल उन्होंने अर्जेंटीना के लिए किए हैं। मेस्सी ने अब तक 202 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 123 गोल किए हैं और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक गोल करने के रिकॉर्ड के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 145 गोल के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

ईरान बाहर, नॉकआउट में ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया

कनसास सिटी। ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया दोनों ने एक रोमांचक मुकाबले में इंजरी टाइम में गोल करके ग्रुप जे का अपना आखिरी मैच 3-3 से ड्रॉ खेला और विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में जगह बनाई, जिससे ईरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया। इस मैच का अंत बेहद रोमांचक रहा, जिसमें एक समय ईरान की अगले दौर में पहुंचने की उम्मीद बन गई थी लेकिन अमेरिका के साथ युद्ध के कारण यात्रा प्रतिबंधों से जुड़ी समस्याएं झेलने वाले इस एशियाई देश की टीम को अब स्वदेश लौटना होगा। मैच के आखिरी मिनटों में स्कोर 2-2 से बराबर था। तभी अल्जीरिया के रियाद महरेज़ ने स्टॉपेज टाइम में अपना दूसरा गोल दाग दिया। इससे ऑस्ट्रिया टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंच गया, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद सासा कलाज्डिक ने बराबरी का गोल दागकर टीम की विश्व कप की उम्मीदों को जीवंत रखा। मार्को अर्नौटोविक (28वें) और मार्सेल सबित्जर (55वें) ने भी ऑस्ट्रिया के लिए गोल किए। ऑस्ट्रिया ग्रुप जे में अर्जेंटीना के बाद दूसरे स्थान पर रहा और 1982 के बाद पहली बार क्वालीफाई करने में सफल रहा।

कोलंबिया ने पुर्तगाल को ड्रॉ पर रोका

मियामी गार्डन्स। पुर्तगाल और कोलंबिया की टीम मैच शुरू होने से पहले ही विश्व का फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में अपनी जगह पक्की कर चुकी थी लेकिन अब मुकाबला ग्रुप विजेता बनने के लिए था। मैच गोलरहित ड्रॉ रहा, जिससे कोलंबिया ग्रुप के में पहले स्थान पर रहा। इस मैच को लेकर काफी चर्चा थी लेकिन यह किसी भी समय रोमांच की पराकाष्ठा तक नहीं पहुंचा। कोलंबिया ने तीन मैच में से दो मैच जीते और एक ड्रॉ कराया और उसने सात अंक के साथ ग्रुप चरण का समापन किया। पुर्तगाल एक जीत और ड्रॉ के साथ पांच अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा।

घाना को मात देकर नॉकआउट में क्रोएशिया

फिलाडेल्फिया। लुका मोड्रिक ने कॉर्नर किक को छह गज वाले बॉक्स के शीर्ष तक पहुंचाया और निकोला वलासिच ने कई खिलाड़ियों की मौजूदगी में ऊंची छलांग लगाकर गेंद को हेडर से गोल में पहुंचा दिया, जिससे क्रोएशिया ने घाना को 2-1 से हराकर शान के साथ विश्व कप फुटबॉल के अगले दौर में जगह बनाई। इस तरह से 40 वर्षीय मोड्रिक विश्व कप इतिहास में गोल में मदद करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। क्रोएशिया की तरफ से वलासिच (83वें मिनट) के अलावा पीटर सुसिच (31वें) ने भी गोल किया। घाना के लिए डेरिक लुकासेन ने 73वें मिनट में बराबरी का गोल दागा था। इस जीत से क्रोएशिया ने छह अंक लेकर ग्रुप एल में इंग्लैंड के बाद दूसरा स्थान हासिल किया जबकि घाना चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। क्रोएशिया पिछले विश्व कप में कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर रहा था।

कांगो पहली बार नॉकआउट में, उज्बेकिस्तान को हराया

अटलांटा। योआने विस्सा के दो गोल और फिस्टन मायेले के एक गोल की मदद से कांगो ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। कांगो ग्रुप के में कोलंबिया और पुर्तगाल के बाद तीसरे स्थान पर रहा। उसने चार अंक हासिल किए, जो अगले दौर में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थे। कांगो राउंड ऑफ 32 में अटलांटा में बुधवार को इंग्लैंड का सामना करेगा। दूसरी तरफ उज़्बेकिस्तान को अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। अफ्रीकी देश कांगो 52 साल के अंतराल के बाद विश्व कप में भाग ले रहा है। उसकी तरफ से विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम के पहले मिनट में गोल किए जबकि मायेले ने 78वें मिनट में गोल दागा।

टी20 में टूटा भारत का सपना, सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी ▶▶| लंदन

वनडे विश्व चैंपियन भारतीय टीम टी20 प्रारुन में उस प्रदर्शन को नहीं दोहरा सकी और एलिसे पैरी तथा एशले गार्डनर की शानदार पारियों के दम पर आस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से ही बाहर कर दिया। भारत की टी20 कप्तान के रूप में हरमनप्रीत कौर के सफर पर भी विराम लग सकता है। जीत के लिए 171 रन का लक्ष्य एक ओवर बाकी रहते हासिल करके छह बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

अपना 10वां विश्व कप खेल रही पैरी ने 38 गेंद में 56 और गार्डनर ने 29 गेंद में नाबाद 53 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। आस्ट्रेलिया ग्रुप वन में दस अंक लेकर शीर्ष पर रही जबकि भारत छह अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। इस ग्रुप से दक्षिण अफ्रीका भी सेमीफाइनल में पहुंच गया, जिसने दिन में एक अन्य मैच में बांग्लादेश को हराया था।

कप्तान हरमनप्रीत के 27 गेंद में 56 रन की मदद से भारत ने 4 विकेट पर 170 रन बनाए हालांकि बाकी भारतीय बल्लेबाज तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे। भारत की शुरुआत अच्छी रही और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (38) और शेफाली वर्मा (34) ने 66 रन की साझेदारी की। दोनों हालांकि तेजी से रन नहीं बना सकी और रनरेट कभी सात के ऊपर नहीं गया।

रोमांचक मुकाबले में जीते श्रीकांत, फाइनल में प्रवेश

एजेंसी ▶▶| फुलर्टन

- अमेरिकी ओपन : अब यांग से अगला मुकाबला

भारत के स्टार खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में जापान के युदाई ओकिमोतो को हराकर अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई। विश्व में 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने विश्व रैंकिंग में 33वें नंबर के ओकिमोतो पर 72 मिनट में 22-20, 15-21, 21-19 से जीत दर्ज कर इस सत्र के अपने पहले फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चीनी ताइपे के सु ली यांग से होगा।

रौनक का सफर समाप्त

युवा शटलर रौनक चौहान का शानदार अभियान दूसरे पुरुष एकल सेमीफाइनल में सु ली यांग से 17-21 19-21 से हार के साथ समाप्त हो गया। महिला एकल में छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग 54 मिनट तक चले सेमीफाइनल में डेनमार्क की दूसरी वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसन से 21-15, 11-21, 15-21 से हार गईं।

बांग्लादेश की 4 विकेट से हार दूसरे पायदान पर साउथ अफ्रीका

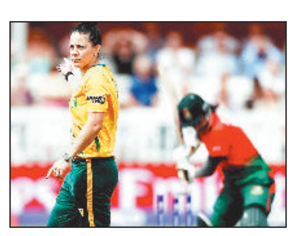

एजेंसी ▶▶| लंदन

साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को विमेंस टी20 वर्ल्ड कप का लीग मैच 4 विकेट से गंवाने के साथ बांग्लादेशी टीम खिताबी दौड़ से बाहर हो गई है।

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी भी काफी धीमी नजर आई, लेकिन टीम ने जीत हासिल करते हुए 'ग्रुप-ए' की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा पायदान हासिल कर लिया है। रविवार को लॉर्ड्स में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी बांग्लादेशी टीम ने 5 विकेट खोकर 117 रन बनाए। इस टीम ने 14 के स्कोर तक 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से सोभना मोस्तरी ने शर्मिन अख्तर के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में 56 रन की साझेदारी की।शर्मिन 29 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि सोभना ने 48 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 42 रन बनाए। इसके बाद कप्तान निगार सुल्ताना ने 20 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 32 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जैसे-तैसे सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

आयरलैंड ने सीरीज की क्लीन स्वीप, महज 1 रन से हारा भारत

बेलफास्ट। राजस्थान के टोंक के साफ्टवेयर इंजीनियर जय मूंदड़ा ने आईपीएल सितारों से भरे भारत के बल्लेबाजी क्रम की नींव हिला दी और आयरलैंड ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए भारत को दूसरे टी20 में 1 रन से हराकर श्रृंखला 2-0 से अपने नाम करके इतिहास रच डाला। वनडे विश्व कप 2011 में इंग्लैंड पर मिली जीत के बाद आयरलैंड के क्रिकेट इतिहास का यह सबसे बड़ा पल है। भारत जैसी मजबूत टीम को हराने से इस टीम का आत्मविश्वास अब सातवें आसमान पर होगा। भारतीय पासपोर्ट धारक मूंदड़ा ने चार ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को खाता भी नहीं खोलने दिया और भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर का भी विकेट चटकाया।

भारत की 16 सीरीज जीतने के अभियान पर विराम

जीत के लिए 155 रन के जवाब में भारत 9 विकेट पर 153 रन ही बना सका। आखिरी ओवरों में हर्षित राणा ने दस गेंद में 21 रन बनाकर पूरी कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हो गए। इस हार के साथ ही भारत का टी20 क्रिकेट में लगातार 16 श्रृंखलाएं जीतने के अभियान पर भी विराम लग गया। भारत 2023 के मध्य से टी20 श्रृंखला नहीं हारा है। एक बार 19 रन पर 9 विकेट गंवाने के बाद बने दबाव से भारतीय टीम उबर ही नहीं सकी। तिलक वर्मा (46 गेंद में 55 रन) को छोड़कर कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं टिक सका।

हैरी और कैलिट्ज जोड़े 65 रन

भारत ने आयरलैंड को 8 विकेट पर 154 रन पर रोक दिया । जब हैरी टेक्टर (47 गेंद में 53 रन) और बेन कैलिट्ज (23 गेंद में 37 रन) चौथे विकेट की साझेदारी में 65 रन जोडकर बड़े स्कोर की ओर बढ रहे थे, तभी दुबे ने लगातार दो गेंदों पर विकेट चटकाए। इससे आयरलैंड टीम अपेक्षित स्कोर नहीं बना सकी। दुबे ने तीन ओवर में 25 रन देकर दो विकेट चटकाए। अर्शदीप सिंह और यादव ने उनका बखूबी साथ दिया। दुबे ने पहले बेन को डीप में लपकवाया और फिर जेरेथ डेलानी को आफ कटर पर बोल्ड कर दिया। अपना सौवां मैच खेल रहे टेक्टर ने टी20 क्रिकेट में नौवां अर्धशतक जमाया लेकिन तेजी से रन नहीं बना सके।

ब्लॉट प्ले9 : शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब तलवार

प्लेन्यूफ। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने ब्लॉट प्ले9 टूर्नामेंट के तीसरे दौर में इवन पार 70 का कार्ड खेलने के दौरान तीन बर्डी और तीन बोगी लगाईं, जिससे वह शीर्ष 10 में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं। वह अब 54 होल में पांच अंडर पर हैं। उन्होंने इससे पहले 68 और 67 के कार्ड खेले। इस सत्र में डीपी विश्व पीजीटीआई टूर रैंकिंग में सबसे आगे चल रहे तलवार अब संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं और अभी एक दौर और बाकी है। शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ी को अगले सत्र के लिए डीपी विश्व टूर में जगह मिलती है प्लानर रैंकिंग के शीर्ष 15 खिलाड़ियों को भी मुख्य टूर में जगह मिलती है।

विश्वकप से बाहर हुई न्यूजीलैंड डिवाइन, सूजी और ताहुहू का संन्यास

लंदन। इंग्लैंड में खेले जा रहे महिला आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप से गत चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम बाहर हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ जैसे ही टीम को हार मिली, उनकी दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और ली ताहुहू का टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया। इन तीनों को इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने मैच के बाद 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर विदाई भी दी। अब न्यूजीलैंड के लिए ये तीनों खिलाड़ी कभी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती नजर नहीं आएंगी। न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में जाने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ हर हाल में जीत चाहिए थी। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। न्यूजीलैंड ने छह विकेट पर 20 ओवर में 163 रन का स्कोर बनाया। इंग्लैंड ने बड़ी आसानी से 17.2 ओवर में एक विकेट पर 164 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ0ग0)

क्रमांक 1445/न.पा.नि./ 2026 रायगढ़ दिनाँक 25/06/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा सी.सी. सड़क, आर.सी.सी. नाली, पुलिया, सामुदायिक भवन, छतदार चबुतरा आदि सिविल निर्माण कार्य एवं उसमें विद्युतीकरण स्थापना तथा सभी तरह में मरम्मत कार्य एवं आवश्यकतानुसार नये निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	194129	वार्ड क्र. 01 जोनल कार्य। (तृतीय निविदा)	10.00	07.07.2026
2	194140	वार्ड क्र. 02 जोनल कार्य। (तृतीय निविदा)	10.00	07.07.2026
3	194145	वार्ड क्र. 03 जोनल कार्य। (तृतीय निविदा)	10.00	07.07.2026
4	194153	वार्ड क्र. 04 जोनल कार्य। (तृतीय निविदा)	10.00	07.07.2026
5	194160	वार्ड क्र. 05 जोनल कार्य। (तृतीय निविदा)	10.00	07.07.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता न.पा.नि., रायगढ़

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

तकनीशियन भर्ती हेतु
(सांकेतिक सूचना)

नीचे दी गई तालिका में उल्लेखित तकनीशियन ग्रेड–I सिग्नल एवं तकनीशियन ग्रेड–III के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **29.07.2026** है। पूर्ण रूप से भरे हुए सभी आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए। (**https://www.rrbapply.gov.in**)

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : **30/06/2026**
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : **29/07/2026 (23:59 बजे)**

पद का नाम	वेतन स्तर (7वें सीपीसी के अनुसार)	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	आयु (01.07.2026 को)	रिक्तियां (सभी रे.भ.बो.)	कुल रिक्तियां (सभी रे.भ.बो.)
तकनीशियन ग्रेड–I सिग्नल	5	29,200/-	बी–1	18–33 वर्ष	323	6557
तकनीशियन ग्रेड–III सिग्नल	2	19,900/-	विस्तृत के.रो.अधि. के अनुसार	18–30 वर्ष	6234	

नोट:–

1. प्रत्येक उम्मीदवार को किसी एक वेतन स्तर के लिए केवल एक रे.भ.बो. में आवेदन करने की अनुमति है, और उस वेतन स्तर के अंतर्गत अधिसूचित किसी एक या सभी पदों के लिए केवल एक ही सामान्य ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।
2. प्रत्येक वेतन स्तर के लिए अलग से आवेदन पत्र जमा करना होगा।
3. उम्मीदवारों को पुरजोर सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपने प्राथमिक विवरणों का सत्यापन आधार के माध्यम से करें, ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और विलंब से बचा जा सके।
4. 'आधार' के माध्यम से सफल सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए, आधार में दर्ज नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा के पास प्रमाणपत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि से 100% मिलान करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार में नवीनतम फोटो तथा नवीनतम बायोमैट्रिक (फिंगरप्रिंट एवं आईरिस) अद्यतन किया जाना आवश्यक है।
5. यह सूचना केवल सांकेतिक है, जिसका उद्देश्य संभावित अभ्यर्थियों को आगामी सी.ई.एन के बारे में सूचित करना तथा आवेदन के लिए आवश्यक प्रमाणपत्रों और दस्तावेजों के साथ तैयार रहने हेतु अवगत कराना है। साथ ही यह स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियम, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएँ तथा अन्य आवश्यकताएँ विस्तृत सी.ई.एन संख्या 02/2026 (तथा समय–समय पर जारी होने वाले किसी भी संशोधन सहित) के अनुसार ही सख्ती से लागू होंगी, जिसे नीचे सूचीबद्ध सभी रे.भ.बो. की आधिकारिक वेबसाइटों पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

सी.ई.एन. सं. 02/2026 में भाग लेने वाले रेलवे भर्ती बोर्डों की वेबसाइट			
अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	अजमेर www.rrbajmer.gov.in	बैंगलूरू www.rrbbnc.gov.in	भोपाल www.rrbbhopal.gov.in
भुवनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in
गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	जम्मू–श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	कोलकत्ता www.rrbkolkata.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in
मुम्बई www.rrbmumbai.gov.in	मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in	प्रयागराज www.rrbpryj.gov.in
राँची www.rrbranchi.gov.in	सिंकदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in	सिलीगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in	तिरुवनंतपुरम www.rrbthiruvananthapuram.gov.in
गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in	*****	*****	*****

सं. आरआरबी/टीवीसी/सी.ई.एन/02/2026
दिनांक : 29.06.2026

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

"जालसाजों, दलालों, एवं नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों से सावधान रहें"

आज क्षितिज के बहुत करीब दिखाई देगा खूबसूरत स्ट्रॉबेरी मून

नई दिल्ली। स्ट्रॉबेरी मून जून की पूर्णिमा 29-30 जून की रात दिखाई देगा। मून का यह खास अंदाज दुनिया के कई हिस्सों समेत भारत में भी दिखाई देगा। स्ट्रॉबेरी नाम सुनते ही लगता है कि चांद का रंग स्ट्रॉबेरी जैसा लाल या गुलाबी होगा, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। इस पूर्णिमा की खासियत इसका क्षितिज के बहुत ही करीब दिखाई देना और सुनहरी चमक के साथ नजर आना है। ऐसे में अगर आप भी इस खूबसूरत नजारे को अपने आंखों में कैद करना चाहते हैं, आप 29-30 जून को चांद निकलने का इंतजार कर सकते है। स्ट्रॉबेरी मून अपने नाम के उलट, यह चांद असल में गुलाबी या लाल रंग का नहीं दिखाई देता। इस चांद का नाम स्ट्रॉबेरी मून अमेरिकी मूल-निवासियों ने रखा था, इसके पीछे का कारण है कि वहां इस समय वाइल्ड स्ट्रॉबेरी यानी स्ट्रॉबेरी की फसल पककर तैयार होती है।

अमेरिकी मूल-निवासियों ने रखा था चांद का यह नाम

क्या होता है स्ट्रॉबेरी मून?

जून में दिखाई देने वाले इस स्ट्रॉबेरी मून की सबसे खास बात यह है कि यह आसमान में काफी नीचे दिखाई देता है। यह दक्षिण-पूर्वी आसमान से उगता है और धीरे-धीरे ऊपर चढ़ता है। सर्दियों के पूरे चांद की तरह यह आसमान में बहुत ऊपर नहीं जाता, बल्कि पूरी रात दक्षिणी आसमान में नीचे ही बना रहता है। द ओल्ड फार्मर्स अल्मनाक के अनुसार, एल्गोनक्विन जनजातियों ने जून के इस फुल मून का नाम स्ट्रॉबेरी की कटाई के सीजन पर रखा था।

भारत में देखने का सबसे अच्छा समय क्या है?

यह स्ट्रॉबेरी मून 29 जून को भारतीय समयानुसार रात 11:57 बजे पर अपने पूरे पीक पर होगा। हालांकि, कुछ जानकारों का यह भी कहना है कि भारत में इसका सबसे सटीक समय 30 जून की सुबह 5:27 बजे होगा, जब यह पूरी तरह से चमकीला दिखेगा।

देखने का सही तरीका

सबसे बेस्ट व्यू : भारत में इस चांद को देखने का सबसे अच्छा समय 29 जून की शाम को चांद निकलने के ठीक बाद होगा।
फोटोग्राफी के लिए: अगर आप तस्वीरें लेना चाहते हैं, तो चांद उगने के पहले एक घंटे के भीतर फोटो खींच लें, जब इसका रंग हल्का सुनहरा और नारंगी होता है। इसे देखने के लिए किसी टेलीस्कोप की जरूरत नहीं है, यह सीधे आंखों से साफ दिखेगा। बस किसी ऐसी जगह जाएं जहां अंधेरा हो और प्रदूषण कम हो।

क्या यह चांद बड़ा दिखाई देता है?

स्ट्रॉबेरी मून को लेकर यह भी दावा किया जाता है, कि इस दिन चांद का आकार बड़ा दिखाई देता है। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार यह सामान्य चांद से बड़ा नहीं होता है, लेकिन जब यह जमीन के करीब होता है, तो मून इल्यूजन के कारण यह पेड़ों और इमारतों के पीछे से काफी बड़ा दिखाई देता है। इसके साथ ही, नीचे होने के कारण से इसकी रोशनी को धरती के वायुमंडल से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे यह हल्के सुनहरे या नारंगी रंग का बहुत ही खूबसूरत दिखाई देता है। यह इस साल की गर्मियों का पहला फुल मून भी है।

रोचक खबरें

भारत की सबसे खतरनाक जेल, चारों तरफ सिर्फ समुद्र का पानी ही पानी

नई दिल्ली। भारत में कई ऐसी जेलें हैं, जो अपनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के लिए जानी जाती हैं। लेकिन, एक ऐसी ऐतिहासिक जेल भी है, जिसके चारों ओर सिर्फ समुद्र का अथाह पानी फैला हुआ है। यहां से भाग निकलना किसी कैदी के लिए लगभग असंभव माना जाता है। यही वजह है कि इस जेल को भारत की सबसे खतरनाक जेलों में गिना जाता है। यह जेल आज भी अपनी भयावह कहानी और इतिहास के कारण लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में स्थित सेल्युलर जेल, जिसे 'काला पानी' के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण ब्रिटिश शासन ने वर्ष 1896 से 1906 के बीच कराया गया था। इस जेल को खासतौर पर उन भारतीय क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए बनाया गया था, जो अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाते थे। जेल समुद्र के बीच स्थित होने के कारण कैदियों के लिए भागने का रास्ता लगभग बंद हो जाता था। अगर कोई कैदी किसी तरह जेल से निकल भी जाए, तो चारों तरफ फैले गहरे समुद्र, तेज धाराओं और समुद्री जीवों के बीच बचकर निकल पाना बेहद मुश्किल था। इस जेल की सबसे बड़ी खासियत इसकी अनोखी वास्तुकला थी। इसमें कुल सात शाखाएं बनाई गई थीं, जो एक केंद्रीय टावर से जुड़ी थीं। हर कैदी को अलग-अलग कोठरी में रखा जाता था ताकि वे एक-दूसरे से संपर्क न कर सकें और किसी तरह की योजना न बना सकें।

२२ साल से खड़े रहने वाले खड़ेश्वर बाबा की 1000 किमी की दंडवत यात्रा

जयपुर। राजस्थान का शेखावाटी क्षेत्र अपनी अनूठी संस्कृति, वीरों और चमत्कारी संतों की तपोभूमि के रूप में जाना जाता है। इसी कड़ी में सीकर जिले से आस्था और कठिन साधना की एक ऐसी विहंगम कहानी सामने आई है, जो हर किसी को हैरान कर रही है। उम्र 75 वर्ष से अधिक हो चुकी है, लेकिन हौसला और संकल्प किसी युवा से भी कहीं अधिक मजबूत है। पिछले 22 वर्षों से कभी न बैठने (आसन ग्रहण न करने) का अनूठा संकल्प निभाने वाले एक संत अब करीब 1000 किलोमीटर लंबी अत्यंत कठिन दंडवत यात्रा पर निकल पड़े हैं। सीकर जिले की दांतारामगढ़ तहसील के बाय गांव के रहने वाले संत शंकर दास महाराज, जिन्हें क्षेत्र के श्रद्धालु 'खड़ेश्वर बाबा' के नाम से जानते हैं, अपनी इस अनोखी तपस्या और कठिन संकल्प के कारण इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बने हुए हैं। खड़ेश्वर बाबा ने हाल ही में संपन्न हुई निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर अपने बाय गांव स्थित आश्रम में मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ इस महायात्रा की शुरुआत की है। उनका यह सफर जम्मू-कश्मीर में स्थित सुप्रसिद्ध मां वैष्णो देवी धाम के लिए शुरू हुआ है। यह यात्रा कोई सामान्य पदयात्रा नहीं है, बल्कि बाबा पूरी दूरी जमीन पर लेटकर यानी दंडवत प्रणाम (कनक दंडवत) करते हुए तय करेंगे।

समुद्र की गहराइयों में रहता है ये दिलचस्प जीव, शरीर में हैं तीन दिल

नई दिल्ली। इंसान एक दिल से प्यार करता है, ब्रेकअप से वो टूटता है और फिर शख्स उसे जोड़ने की कोशिश करता है। कई शायरों ने लिखा है कि अगर उनके दो दिल होते तो वो एक ही इंसान से दो बार दिल लगाते। लेकिन, समुद्र की गहराइयों में एक ऐसा जीव है जिसके शरीर में तीन दिल हैं। ये दिल भावनाओं या प्यार के लिए नहीं बल्कि सिर्फ खून को शरीर में पंप करने के लिए काम करते हैं। यह जीव है ऑक्टोपस। इसे समुद्र का सबसे बुद्धिमान और रहस्यमयी प्राणी माना जाता है। ऑक्टोपस को आठ पैरों वाला समुद्री जीव भी कहा जाता है। यह मुख्य रूप से प्रशांत और अटलांटिक महासागर की गहराइयों में पाया जाता है। इसके तीन दिलों की वजह से यह ठंडे पानी में भी सक्रिय रह सकता है।

बॉडी में खून के फ्लो को नियंत्रित करते हैं ये दिल

कैसे काम करते हैं तीन दिल?

ऑक्टोपस के दो दिल उसके गिल्स (सांस लेने वाले अंग) के पास होते हैं। ये दिल पानी से ऑक्सीजन लेकर खून को शुद्ध करते हैं। तीसरा दिल पूरे शरीर में यह ऑक्सीजन युक्त खून पंप करता है। जब ऑक्टोपस तैरता है तो यह तीसरा दिल अस्थायी रूप से धीमा हो जाता है। यही वजह है कि ऑक्टोपस ज्यादा देर तक तेजी से तैर नहीं पाता. वैज्ञानिकों का कहना है कि तीन दिल होने की वजह से इसकी चयापचय प्रक्रिया बेहद कुशल है।

सबसे स्मार्ट समुद्री जीव

ऑक्टोपस को समुद्र का सबसे बुद्धिमान जीव माना जाता है। इसका दिमाग इतना विकसित है कि यह समस्या का समाधान निकाल सकता है, जार का ढक्कन खोल सकता है, छिपकर शिकार कर सकता है और यहां तक कि मानव हाथों की नकल भी कर सकता है। कुछ ऑक्टोपस तो प्लास्टिक के कंटेनर खोलकर उसमें से केकड़ों को निकाल लेते हैं।

प्रेग्नेंसी और जीवन चक्र

मादा ऑक्टोपस अंडे देती है और फिर उन्हें तब तक संभालती है जब तक वे फूट ना जाएं. इस दौरान वह खुद कुछ नहीं खाती। बच्चे निकलने के बाद मां अक्सर मर जाती है। ऑक्टोपस का औसत जीवनकाल 1 से 2 साल ही होता है। ऑक्टोपस का दिमाग उसके शरीर के आठों पैरों में भी फैला होता है। हर भुजा में अपना न्यूरल सिस्टम होता है। यह 3 किलोमीटर से ज्यादा गहरे पानी में भी रह सकता है। दुनिया में इसकी 300 से ज्यादा प्रजातियां हैं। सबसे बड़ा ऑक्टोपस 9 मीटर तक लंबा हो सकता है। ऑक्टोपस कैनिबल भी हो सकता है, जो भूख लगने पर छोटे ऑक्टोपस को खा जाता है। कुछ प्रजातियां जहर भी पैदा करती हैं, जैसे ब्लू-रिंग्ड ऑक्टोपस।

रंग बदलने का कमाल

ऑक्टोपस अपनी त्वचा में मौजूद विशेष कोशिकाओं (क्रोमैटोफोर्स) की मदद से रंग बदल सकता है। यह छिपने, शिकार करने और संचार के लिए रंग बदलता है। कुछ प्रजातियां तो मिनटों में अपने आसपास के वातावरण में घुल-मिल जाती हैं। इसकी अनोखी शारीरिक बनावट होती है। इसकी आठ लचीली भुजाएं हैं, जिनमें सैकड़ों चूषक लगे होते हैं। इसकी बॉडी में तीन दिल और नीला खून (कॉपर आधारित हीमोसायनिन की वजह से) होता है। इसकी बॉडी में कोई हड्डी नहीं होती। सिर्फ नरम शरीर है जो छोटी जगहों से भी गुजर सकता है। तीन दिलों के अलावा यह बेहद तेजी से रंग और आकार बदल सकता है।

पैरों से भी सुन सकते हैं आवाज!

दुनिया का रहस्यमयी जानवर सबसे बड़े दिमाग का मालिक

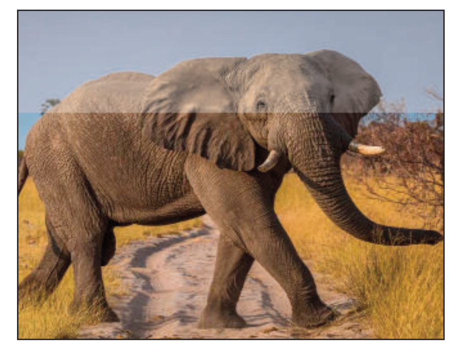

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

हाथी का विशाल शरीर देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। लेकिन, इसके शरीर और व्यवहार से जुड़े कई ऐसे रहस्य हैं, जो आपको हैरत में डाल देंगे। हाथी सिर्फ बड़ा जानवर नहीं है, बल्कि प्रकृति का एक अद्भुत चमत्कार है। सबसे बड़ा दिमाग, लंबी याददाश्त, सूंड का जादू, पैरों से सुनने की क्षमता और 22 महीने की गर्भावस्था- ये सब हाथी को दुनिया का सबसे रहस्यमयी जानवर बनाते हैं। हाथी का दिमाग पांच किलो तक वजन का होता है, जो किसी भी स्थलीय जानवर का सबसे बड़ा दिमाग है। इंसान का दिमाग औसतन 1.4 किलो का होता है। इतने बड़े दिमाग की वजह से हाथी की याददाश्त बेहद तेज होती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि हाथी 50 साल पुरानी घटनाओं, जगहों और साथियों को आसानी से याद रख सकता है।

सूंड-हाथी का सबसे काम का अंग

हाथी की सूंड ना सिर्फ सूंघने का काम करती है, बल्कि यह एक मल्टीपर्पज टूल है। छोटे-छोटे तिनके, फल, मिट्टी के ढेले से लेकर 300-400 किलो की भारी लकड़ी तक आसानी से उठा लेता है। सूंड में 40,000 से ज्यादा मांसपेशियां होती हैं, जो इसे बेहद निपुण बनाती हैं। हाथी सूंड से पानी पीता है, नहाता है, खाना खाता है, दूसरे हाथियों से संपर्क करता है और यहां तक कि पेड़ की पत्तियां तोड़कर मुंह तक पहुंचाता है।

बारिश बुलाने की सदियों पुरानी अनोखी परंपरा आज भी जिंदा

हैदराबाद। तेलंगाना में कई गांव बारिश के लिए केवल मौसम विभाग की भविष्यवाणियों का इंतजार नहीं करते। बारिश हो इसके लिए वो अपनी पुरानी परंपराओं का सहारा लेते हैं। ऐसा ही एक अनोखा और दिलचस्प अनुष्ठान इन दिनों तेलंगाना के चिन्ना बोनाला गांव में देखने को मिला, जहां गांव वालों ने अच्छी बारिश की कामना के लिए 'कप्पा थल्ली अट्टा' नामक पारंपरिक अनुष्ठान किया। दरअसल, मानसून लगातार करवटें बदल रहा है। इसने केरल के तटों पर दस्तक तो तय समय के आसपास ही दी थी पर देश के बाकी हिस्सों में ये आंखमिचौली खेल रहा है। मौमस विभाग मानसून को लेकर लगातार अपडेट देता रहता है। इसने बताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कई हिस्सों में दस्तक दे दी है। उत्तर भारत और दिल्ली-एनसीआर में भी प्री-मानसून बारिश शुरू हो गई है और अगले कुछ दिनों में मानसून के यहां पहुंचने की संभावना है।

मेंढक की शादी नहीं, कप्पा थल्ली अट्टा!

बारिश के लिए प्रचलित लोक परंपराएं

भारत के अलग-अलग हिस्सों में बारिश के लिए कई लोक परंपराएं प्रचलित रही हैं। कहीं मेंढकों की प्रतीकात्मक शादी कराई जाती है, तो कहीं विशेष पूजा-पाठ और यज्ञ आयोजित किए जाते हैं। तेलंगाना का 'कप्पा थल्ली अट्टा' भी ऐसी ही एक लोक परंपरा है, जो गांव के समाज की सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति पर उनकी निर्भरता को दर्शाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भले ही इन रस्मों का मौसम विज्ञान से सीधा संबंध न हो, लेकिन इनसे गांव में सामाजिक एकता मजबूत होती है। साथ ही किसानों और ग्रामीणों को कठिन समय में मानसिक संबल भी मिलता है। यही वजह है कि आधुनिक दौर में भी ऐसी परंपराएं कई गांवों में जीवित हैं। आज जब जलवायु परिवर्तन और अनियमित मानसून किसानों के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं, तब चिन्ना बोनाला गांव में आयोजित 'कप्पा थल्ली अट्टा' यह याद दिलाता है कि भारतीय ग्रामीण समाज में प्रकृति, आस्था और सामुदायिक जीवन का रिश्ता कितना गहरा रहा है।

अनुष्ठान में क्या करते हैं ग्रामीण?

इस अनुष्ठान के दौरान गांव वाले जलाभिषेक करते हैं और गांव के देवी-देवताओं से प्रार्थना करते हैं कि समय पर अच्छी वर्षा हो, खेतों में हरियाली लौटे और जल स्रोत फिर से भर जाएं. गांव वालों का मानना है कि यह परंपरा प्रकृति और देवताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक तरीका है। गांव के निवासी बोलगम नागराजू ने बताया कि जब बारिश की कमी से किसान परेशान हो जाते हैं, तब पूरा गांव एकजुट होकर यह अनुष्ठान करता है। उन्होंने कहा कि सभी आयु वर्ग के लोग इसमें शामिल होते हैं और गांव के देवताओं से पर्याप्त वर्षा, अच्छी फसल, संसाधनों की उपलब्धता, पशुधन के स्वास्थ्य और पूरे गांव की समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com